आषाढ़ शुक्ल पक्ष -13, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 22 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
27 जुलाई 2026 सोमवार

आज का मौसम
25.6 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

दतिया उपचुनाव...मुकाबला केवल एक सीट का नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा, संगठनात्मक ताकत और जातीय समीकरणों का

दतिया का 'हार' बना दोनों दलों के गले की फांस

यह उपचुनाव अब केवल दो प्रत्याशियों की लड़ाई नहीं रह गया है। यह सत्ता बनाम स्थानीय असंतोष, संगठन बनाम सामाजिक समीकरण और नेतृत्व बनाम जनभावना का मुकाबला बन चुका है। भाजपा संसाधनों, संगठन और सरकार की ताकत के साथ मैदान में है, जबकि कांग्रेस स्थानीय नाराज़गी और सहानुभूति को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश कर रही है। तस्वीर यही संकेत देती है कि जीत का अंतर पांच हजार मतों से अधिक निकलना मुश्किल होगा। दतिया एक बार फिर साबित कर सकता है कि बुंदेलखंड की राजनीति में आखिरी फैसला मतदान के दिन जनता ही करती है।

बुंदेलखंड की एक पुरानी कहावत आज भी लोगों की जुबान पर है। 'झाँसी गले की फाँसी, दतिया गले का हार, ललितपुर कभी न छोड़िए, जब तक मिले उधार।' लेकिन, 30 जुलाई को होने वाले दतिया विधानसभा उपचुनाव में यही 'हार' भाजपा और कांग्रेस, दोनों के गले की फांस बनता दिखाई दे रहा है। इस बार मुकाबला केवल एक सीट का नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा, संगठनात्मक ताकत और जातीय समीकरणों की निर्णायक परीक्षा का है।

चुनाव विश्लेषण

दतिया से राजेश सिरोठिया की ग्राउंड रिपोर्ट

दतिया की राजनीति हमेशा अप्रत्याशित मोड़ों से भरी रही है। यहां की चुनावी बिसात किसी समय देवकीनंदन खत्री के प्रसिद्ध उपन्यास चंद्रकांता की तरह रहस्य, रणनीति और सियासी चालों से संचालित होती रही है। इस बार भी परिदृश्य कुछ अलग नहीं है। सतह पर दिखने वाला मुकाबला जितना सीधा नजर आता है, अंदरूनी समीकरण उससे कहीं अधिक उलझे हुए हैं। इस विधानसभा क्षेत्र का इतिहास बताता है कि यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला हमेशा कांटे का रहा है। अधिकांश चुनावों में जीत-हार का अंतर पांच से सात हजार मतों के भीतर ही सिमटा है। अपवाद केवल 1985 का चुनाव रहा, जब इंदिरा गांधी की हत्या के बाद चली सहानुभूति लहर में कांग्रेस के राजेंद्र भारती लगभग 16 हजार मतों से विजयी हुए थे। संयोग यह है कि उन्हीं राजेंद्र भारती का चुनाव अवैध घोषित होने के कारण यह उपचुनाव हो रहा है।

कांग्रेस में राजेंद्र भारती चाहते थे कि टिकट उनके पुत्र को मिले, लेकिन पार्टी ने दो बार विधायक रह चुके दतिया राजघराने के घनश्याम सिंह पर भरोसा जताया। इससे भारती समर्थकों की नाराज़गी पूरी तरह खत्म नहीं हुई। भाजपा ने भी बड़ा राजनीतिक जोखिम उठाया। लगातार चार चुनाव जीतने वाले पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर संघ पृष्ठभूमि के आशुतोष तिवारी को मैदान में उतार दिया। नरोत्तम मिश्रा सार्वजनिक रूप से अनुशासन का परिचय दे रहे हैं, लेकिन उनके समर्थकों में टिकट कटने की कसक अब भी साफ महसूस की जा सकती है।

तीसरा कोण बिगाड़ रहा गणित

इस चुनाव में आजाद समाजवादी पार्टी (कांशीराम के वामसेफ़ की तर्ज पर बनी भीम आर्मी) के दामोदर यादव तीसरे कोण के रूप में उभरे हैं। उनके जीतने की संभावना भले सीमित हो, लेकिन वे भाजपा और कांग्रेस–दोनों के वोट बैंक में सेंध लगाने की क्षमता रखते हैं। यादव मतों के साथ भीम आर्मी के प्रभाव के जरिए दलित मतदाताओं को जोड़ने की उनकी कोशिश ने मुकाबले को त्रिकोणीय रंग दे दिया है।

बिखरा नरोम का सामाजिक समीकरण

2008 से डॉ. नरोत्तम मिश्रा की जीत का आधार ब्राह्मण, कुशवाहा और दलित मतों का संतुलित गठजोड़ रहा है। इस बार वही समीकरण बिखरा हुआ दिखाई देता है। कल्लू और विशाल कुशवाहा हत्याकांड के आरोपित साहब सिंह यादव के मामले को सीआईडी को सौंपे जाने से कुशवाहा समाज का एक वर्ग नाराज़ है। उसके बीच यह धारणा बनी है कि सरकार ने मामले को कमजोर करने की कोशिश की। शायद यही कारण है कि भाजपा ने केवल जिला संगठन पर भरोसा करने के बजाय सांसद भारत सिंह कुशवाहा और मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा को समाज के बीच सक्रिय कर रखा है। दूसरी ओर आशुतोष तिवारी को 'बाहरी प्रत्याशी' की छवि से भी जूझना पड़ रहा है। स्थानीय ब्राह्मण मतदाताओं का पूरा समर्थन उन्हें मिलता दिखाई नहीं दे रहा। उनके सामने पहचान के साथ राजनीतिक स्वीकार्यता की चुनौती भी है। भाजपा के पूर्व प्रभावशाली नेता अवधेश नायक अब कांग्रेस के साथ हैं। स्थानीय संगठन और भाजपा की आंतरिक राजनीति की उनकी समझ का लाभ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे। भाजपा की कमजोरियों पर कांग्रेस लगातार राजनीतिक प्रहार कर रही है।

मोहन यादव की प्रतिष्ठा का प्रश्न

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के लिए यह उपचुनाव प्रतिष्ठा का विषय बन गया है। पिछले वर्ष वन मंत्री रामनिवास रावत भाजपा के टिकट पर उपचुनाव हार गए थे। भाजपा उस झटके की पुनरावृत्ति नहीं चाहती। इसलिए मुख्यमंत्री स्वयं चुनाव अभियान की कमान संभाले हुए हैं। अपनी सभा में उन्होंने कहा - 'पहले नरोत्तम मिश्रा और आशुतोष तिवारी मिलकर 11 थे, अब मैं आ गया हूं तो 111 हो गए हैं।' मुख्यमंत्री का यह बयान कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने की कोशिश था, लेकिन कांग्रेस ने इसे उनके अतिआत्मविश्वास का प्रतीक बताकर राजनीतिक मुद्दा बना दिया। राजेंद्र भारती को भाजपा में लाने की चर्चाएं भी चलीं, लेकिन प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व ने स्थिति संभाल ली। बताया जाता है कि भारती समर्थकों का बड़ा वर्ग भी दल बदल के पक्ष में नहीं था।

V/S

पटवारी का पलटवार

मुख्यमंत्री के '11 से 111' वाले बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तीखा हमला बोला। उन्होंने पूछा– 'यदि मुख्यमंत्री अकेले सौ के बराबर हैं तो फिर एक दर्जन से अधिक मंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, संगठन के शीर्ष पदाधिकारी और पूरी चुनावी मशीनरी दतिया में क्यों उतारनी पड़ी?' पटवारी का आरोप है कि प्रदेश सरकार ने गेहूं-धान खरीदी से लेकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक जनता को निराश किया है। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ भी न्याय नहीं किया। विधानसभा चुनाव शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में जीता गया, लेकिन मुख्यमंत्री कोई और बन गया। दतिया में नरोत्तम मिश्रा नामांकन की तैयारी करते रहे और अंतिम समय में टिकट किसी दूसरे को दे दिया गया।

दतिया का जातीय गणित (लगभग)

- 2,20,800 कुल मतदाता
- 191 कुल मतदान केंद्र
- 30 हजार कुशवाहा
- 30 हजार दलित (मुख्यतः अहिरवार)
- 28 हजार ब्राह्मण
- 15 हजार यादव
- 15 हजार लोधी
- 15 हजार गुर्जर व कमरिया
- 10 हजार मुस्लिम
- 10 हजार क्षत्रिय

भाजपा का संगठनात्मक शति प्रदर्शन

भाजपा ने इस उपचुनाव को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाते हुए पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिवप्रकाश, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा सहित अनेक मंत्री लगातार दतिया में डेरा डाले हुए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ज्योतिरादित्य सिंधिया सभाएं कर चुके हैं। प्रह्लाद पटेल, कैलाश विजयवर्गीय सहित कई वरिष्ठ नेताओं के दौरे भी हो चुके हैं। अनुसूचित जाति मोर्चा से लेकर मीडिया प्रबंधन तक, भाजपा ने चुनाव संचालन की लगभग पूरी मशीनरी मैदान में उतार दी है। बीजेपी मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल और उनकी मीडिया विंग जमीनी फीडबैक नेताओं को दे रही है, जिसके हिसाब से खन्दक की लड़ाई का खाका तैयार हो रहा है।

प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल नहीं

अब तक जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर विपक्ष ने कोई बड़ा सवाल नहीं उठाया है। दतिया कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े और पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल निष्पक्ष चुनाव कराने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि चुनाव के अंतिम दो दिनों पर सभी दलों की नजर रहेगी। कांग्रेस के स्थानीय रणनीतिकार अवधेश नायक भी स्वीकार करते हैं कि फिलहाल प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल नहीं है।

यदि नरोम मिश्रा मैदान में होते तो...

पीतांबरा पीठ के पंडा सुदेश पांडे का मानना है कि यदि नरोत्तम मिश्रा स्वयं मैदान में होते तो भाजपा को इतनी मशक्कत नहीं करनी पड़ती। मंत्री रहते उन्होंने दतिया में जो विकास कार्य कराए, उनका प्रभाव आज भी दिखाई देता है। मुख्यमंत्री ने व्यापारियों को दतिया को प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन ग्वालियर क्षेत्र से जोड़ने तथा औद्योगिक पार्क विकसित करने का भरोसा दिया है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर मुकाबला बेहद करीबी माना जा रहा है।

यूपी के नेताओं की भी नजर

दामोदर यादव की मौजूदगी ने यादव और दलित मतों के समीकरण को नया आयाम दे दिया है। भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रभावशाली यादव नेताओं के जरिए इस वर्ग में पैठ बनाने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर कांग्रेस भी समाजवादी पार्टी नेतृत्व यानी अखिलेश यादव के अडियो और वीडियो के सहयोग से यादव मतदाताओं तक संदेश पहुंचाने की रणनीति पर काम कर रही है।

न्यूज विंडो

आज मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज होंगे सोनम वांगचुक

नई दिल्ली। पेपर लीक के मुद्दे पर अनशन पर बैठे एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक आज मेदांता अस्पताल से डिस्चार्ज होने जा रहे हैं। पेपर लीक के मुद्दे पर सोनम वांगचुक ने 26 दिनों तक अनशन किया था। सरकार ने सोनम वांगचुक की सभी मांगें मान ली थी जिसके बाद सोनम वांगचुक ने 24 जुलाई को देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया था।

अमेरिका-ईरान जंग: ट्रंप बोले- हमारे पास हथियारों की कमी नहीं

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ तनाव के बीच अमेरिका के हथियार खत्म नहीं हो रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे पास दुनिया में सबसे ज्यादा हथियार हैं, जरूरत से भी ज्यादा। बयान उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान के साथ टकराव की वजह से अमेरिका के पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार घट रहा है।

खंडवा की नई कृषि उपज मंडी में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन

किसानों से सीएम का संवाद, खाते में आए कल्याण योजना के 3300 करोड़

खंडवा, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज यहाँ नई कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित 'बलराम कृषि महोत्सव' में शामिल होकर होकर प्रदेशभर के किसानों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने 'मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना' के तहत प्रदेश के 82 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 3300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से ट्रांसफर की। डॉ यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा कृषि, सिंचाई, आधुनिक खेती एवं किसान कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में जिले के जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत दी जाने वाली यह राशि किसानों की आर्थिक सहायता के उद्देश्य से प्रदान की जा रही है। सरकार का कहना है कि इससे खेती-किसानी के कार्यों में किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा और कृषि गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। बलराम महोत्सव का उद्देश्य कृषि और किसान संस्कृति को सम्मान देना तथा आधुनिक खेती के प्रति किसानों को प्रेरित करना है। कार्यक्रम स्थल पर कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और स्वयं सहायता समूहों द्वारा प्रदर्शनी भी लगाई गई है जहां नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।

स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करते सीएम।

दो बार स्थगित हुई दोनों सदनों की कार्यवाही

भारी हंगामे के बीच पेपर लीक संशोधन बिल लोकसभा में पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

पेपर लीक से जुड़ा लोक परीक्षा संशोधन बिल आज लोकसभा में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने पेश किया। इस दौरान ध्वनि मत से पारित कराने के लिए वोटिंग कराई गई।

इस बीच विपक्ष मोदी-शाह छात्रों से माफी मांगें के नारे लगाते रहे। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। इससे पहले सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होने के 5 मिनट के भीतर ही दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई थी।

उधर, पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफे के बाद आज पहली बार संसद पहुंचे। NDA सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया और संसद भवन के अंदर तक ले गए। प्रधान ने NEET पेपर लीक विवाद के बीच 25 जुलाई को इस्तीफा दिया था।

दूसरी तरफ सुबह 10:30 बजे विपक्ष ने संसद के मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी पार्टियां सरकार से पेपर लीक और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर सरकार से जवाब की मांग कर रही है।

पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद आज संसद पहुंचने पर एनडीए सांसदों ने उन्हें शॉल और मिथिला पाग पहनाकर सम्मानित किया।

पुलिस की बर्बरता सही नहीं- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने आज कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना एक संवैधानिक अधिकार है, जिसे छीना नहीं जा सकता। केवल प्रदर्शन या आंदोलन होने के आधार पर पुलिस की बर्बरता या ज्यादा सख्ती को सही नहीं ठहराया जा सकता। जंतर-मंतर पर पुलिस लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमले होना उतनी ही चिंता की बात है। अब कोर्ट कल इन सभी याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करेगा। इन याचिकाओं में आरोप है कि प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने ज्यादती की।

आज का कार्टून

भारी बारिश के आसार

शहडोल में बिजली गिरने से 3 की मौत, 5 घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में स्ट्रॉन्ग मानसूनी सिस्टम एक्टिव होने से एक बार फिर तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। रविवार को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में तेज बारिश हुई, जबकि आज 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। अगले 24 घंटे में उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश का अनुमान है। इस बीच शहडोल जिले में तेज बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 11 साल का बच्चा भी शामिल है। सभी घटनाएं खेतों और खुले स्थानों पर हुई।

मांगों को लेकर भोपाल कूच

किसानों को सेठानी घाट जाने से रोका, बड़े आंदोलन की चेतावनी

मंगेश यादव, नर्मदापुरम। शत-प्रतिशत मूंग खरीदी और खाद वितरण के लिए ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रस्तावित भोपाल कूच की तैयारी के बीच आज नर्मदापुरम में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सेठानी घाट से करीब 150 मीटर पहले पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी है। घाट की ओर जाने वाले किसानों को भी आगे बढ़ने से रोका जा रहा है। क्रांतिकारी किसान संगठन के जिला अध्यक्ष हरपाल सिंह सोलंकी ने आरोप लगाया कि किसान भाई मां नर्मदा का पूजन करने सेठानी घाट पहुंच रहे थे, लेकिन पुलिस उन्हें भी रोक रही है। संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े 13 किसान संगठनों ने 30 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास के घेराव का कार्यक्रम घोषित किया है। आंदोलन की रणनीति के तहत किसानों को 29 जुलाई तक भोपाल पहुंचना था। -पेज 5 भी देखें

लोकार्पण या सिर्फ ठहराव....शब्दों के फेर में उलझा निशातपुरा स्टेशन

सांसद ने कहा- मुख्यमंत्री करेंगे स्टेशन का लोकार्पण, रेलवे बोला- फिलहाल दो ट्रेनों का ही स्टॉपेज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

लंबे इंतजार के बाद भोपाल मंडल का निशातपुरा रेलवे स्टेशन 28 जुलाई से यात्रियों के लिए शुरू होने जा रहा है। हालांकि, स्टेशन के उद्घाटन को लेकर रेलवे और जनप्रतिनिधियों के दावों में शब्दों का अंतर सामने आया है। सांसद आलोक शर्मा के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंगलवार शाम 4:30 बजे स्टेशन का लोकार्पण करेंगे। वहीं रेलवे अधिकारियों का कहना है कि 28 जुलाई को स्टेशन का लोकार्पण नहीं, बल्कि यहां से ट्रेनों का ठहराव शुरू होगा। प्रारंभिक चरण में मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का स्टॉपेज निशातपुरा में रहेगा, जबकि भोपाल स्टेशन पर इनका ठहराव समाप्त किया जाएगा। जून 2023 में स्टेशन बनकर तैयार होने के बावजूद करीब तीन साल तक यात्री सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। निशातपुरा के शुरू होने से भोपाल स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों का दबाव कम होने की उम्मीद है। वर्तमान में भोपाल स्टेशन से रोजाना करीब 230 ट्रेनें गुजरती हैं और लगभग 45 हजार यात्रियों की आवाजाही होती है। स्टेशन शुरू होने से आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को भी सुविधा मिलेगी। निशातपुरा को एनएसजी-3 श्रेणी का स्टेशन बनाया गया है और यहां यात्री सुविधाओं को भी अपग्रेड किया जा रहा है।

एनएसजी-3 श्रेणी में शामिल हुआ निशातपुरा

निशातपुरा रेलवे स्टेशन को अब एनएसजी-3 यानी नॉन-सबअर्बन ग्रेड-3 श्रेणी में शामिल किया गया है। इस श्रेणी के तहत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। रेलवे की ओर से पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम समेत अन्य यात्री सुविधाओं को अपग्रेड किया जा रहा है। रेलवे ने नवंबर 2017 में यात्रियों की संख्या और आय के आधार पर स्टेशनों का वर्गीकरण संशोधित किया था। इससे पहले निशातपुरा स्टेशन सी कैटेगरी में शामिल था। अब नई श्रेणी के अनुरूप स्टेशन पर सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। स्टेशन के शुरू होने से आसपास के यात्रियों को बेहतर विकल्प मिलेगा। साथ ही भोपाल स्टेशन पर ट्रेनों के दबाव को कम करने और यात्री सुविधाओं को अधिक व्यवस्थित करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

इन छह ट्रेनों को भी मिल सकता है निशातपुरा में हाल्ट

निशातपुरा स्टेशन पर शुरुआती चरण में मालवा एक्सप्रेस और सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस का ठहराव शुरू करने की बात सामने आई है। इसके अलावा कई अन्य ट्रेनों को भी यहां हाल्ट दिए जाने की जानकारी है। इनमें इंदौर-बरेली एक्सप्रेस, डॉ. अंबेडकर नगर-प्रयागराज जंक्शन एक्सप्रेस, इंदौर-हरिद्वार एक्सप्रेस, अहमदाबाद-पटना एक्सप्रेस, भोपाल-बीना मेमू और इंदौर-राजेंद्र नगर एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों के ठहराव से निशातपुरा और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को सीधे रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा। वहीं, कुछ ट्रेनों के भोपाल स्टेशन पर ठहराव समाप्त होने से मुख्य स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ और परिचालन दबाव कम होने की उम्मीद है। हालांकि, रेलवे की ओर से ट्रेनों के ठहराव और समय-सारिणी से संबंधित अंतिम जानकारी के अनुसार ही यात्रियों को यात्रा की योजना बनाने की सलाह दी गई है।

तीन साल बाद खुलेगा स्टेशन भोपाल का बनेगा चौथा स्टेशन

निशातपुरा रेलवे स्टेशन जून 2023 में बनकर तैयार हो गया था, लेकिन सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद यहां यात्री सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। करीब तीन वर्ष के लंबे इंतजार के बाद अब स्टेशन को यात्रियों के लिए खोलने की तैयारी है। इसके शुरू होने के साथ ही निशातपुरा भोपाल का चौथा रेलवे स्टेशन बन जाएगा। प्रारंभिक चरण में चुनिंदा ट्रेनों का ठहराव यहां दिया जाएगा। रेलवे को उम्मीद है कि स्टेशन के संचालन से भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों और यात्रियों का दबाव कम होगा। आसपास के इलाकों में रहने वाले यात्रियों को भी ट्रेन पकड़ने के लिए मुख्य स्टेशन तक जाने की जरूरत कम पड़ेगी। सुबह और शाम के व्यस्त समय में यातायात और रेल परिचालन को सुगम बनाने में भी स्टेशन की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

फर्जीवाड़े और कागजी कॉलेजों की शिकायतों के बाद विवि का बड़ा एक्शन

60 प्रोफेसरों की टीम करेगी बीयू के 85 एमबीए कॉलेजों की जांच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) से संबद्ध करीब 85 एमबीए कॉलेजों में अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की शिकायतों के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने व्यापक निरीक्षण अभियान शुरू किया है। कॉलेजों की संबद्धता और निरंतरता के लिए निर्धारित मानकों की जांच करने 60 प्राध्यापकों की टीमें गठित की गई हैं। प्रत्येक टीम को तीन-तीन कॉलेजों के निरीक्षण की जिम्मेदारी दी गई है और निरीक्षण के बाद तीन दिन में रिपोर्ट विश्वविद्यालय को सौंपने के निर्देश हैं।

रिपोर्ट के आधार पर कॉलेजों की संबद्धता जारी रखने या नियमानुसार कार्रवाई का निर्णय लिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार कुछ कॉलेज केवल कागजों पर संचालित होने और एक ही शिक्षक के दो संस्थानों में कार्यरत होने की शिकायतें मिली हैं। वहीं, कम छात्र संख्या के बावजूद कई जगह एमबीए पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की जानकारी भी सामने आई है। निरीक्षण में मानक पूरे करने वाले कॉलेजों की संबद्धता एक सप्ताह में जारी की जा सकती है। पात्र कॉलेजों को इसके बाद दूसरे चरण की काउंसलिंग में शामिल किया जाएगा। बीयू कुलसचिव प्रो. समर बहादुर सिंह ने बताया कि एमबीए कॉलेजों के निरीक्षण के लिए प्रोफेसरों की टीमें गठित की जाएंगी और सभी कॉलेजों का निरीक्षण कराया जाएगा।

एक शिक्षक की दो जगह नियुक्ति की शिकायत

बीयू के एमबीए कॉलेजों की जांच के पीछे अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की शिकायतें प्रमुख वजह हैं। विश्वविद्यालय को जानकारी मिली है कि कुछ कॉलेज वास्तविक रूप से संचालित होने के बजाय केवल दस्तावेजों में मौजूद हैं। वहीं, कुछ संस्थानों में एक ही शिक्षक के दो अलग-अलग कॉलेजों में कार्यरत होने की शिकायत भी सामने आई है। इसके अलावा कई कॉलेजों में विद्यार्थियों की संख्या बेहद कम होने के बावजूद एमबीए पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाए जाने की जानकारी मिली है। विश्वविद्यालय की निरीक्षण टीमें कॉलेजों में उपलब्ध संसाधन, शिक्षकों की स्थिति और अन्य निर्धारित मानकों की जांच करेंगी। निरीक्षण में गड़बड़ी मिलने पर संबंधित संस्थानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

80 कॉलेज काउंसलिंग से बाहर, 19,260 सीटों पर नहीं मिला प्रवेश

एमबीए कॉलेजों की संबद्धता का मामला सीधे प्रवेश प्रक्रिया पर भी असर डाल रहा है। तकनीकी शिक्षा संचालनालय (डीटीई) ने संबद्धता नहीं मिलने के कारण बीयू से जुड़े 80 एमबीए कॉलेजों को प्रथम चरण की काउंसलिंग से बाहर रखा था। इसके चलते इन संस्थानों की एक भी सीट पर आवंटन नहीं हो सका। प्रदेश के 153 कॉलेजों में 26,742 सीटों के लिए आयोजित पहले चरण की काउंसलिंग में केवल 609 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित हुई। बीयू के 80 कॉलेजों के बाहर होने से करीब 19,260 सीटें पहले चरण में उपलब्ध नहीं हो सकीं। नतीजतन काउंसलिंग प्रक्रिया सिर्फ 7,482 सीटों तक सीमित रह गई।

31 जुलाई को मेरिट लिस्ट, 4 अगस्त को सीट आवंटन

एमबीए में प्रवेश के दूसरे चरण की काउंसलिंग प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। डीटीई के अनुसार दूसरे चरण के लिए पंजीयन की अंतिम तारीख रविवार को समाप्त हो गई। अभ्यर्थी 28 जुलाई तक अपने आवेदन में संशोधन कर सकेंगे। इसके बाद 30 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग की प्रक्रिया चलेगी। आवेदनों और पसंद के आधार पर 31 जुलाई को मेरिट सूची जारी की जाएगी। चार अगस्त को सीट आवंटन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को प्रवेश लेने के लिए आठ अगस्त तक का समय मिलेगा। बीयू के जिन एमबीए कॉलेजों की जांच में निर्धारित मानक पूरे पाए जाएंगे और जिन्हें विश्वविद्यालय से संबद्धता मिल जाएगी, उन्हें दूसरे चरण की काउंसलिंग में शामिल किया जा सकता है।

अयोध्या नगर और कोलार में सबसे ज्यादा तीन-तीन मामले

भोपाल में 24 घंटे में 10 लोग लापता गुमशुदगी में नाबालिग भी हैं शामिल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल में पिछले 24 घंटे के दौरान 10 लोगों के लापता होने की शिकायतों ने चिंता बढ़ा दी है। गुमशुदगी के मामलों में नाबालिग बालिकाओं के साथ युवक-युवतियां और अन्य लोग भी शामिल हैं। शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दर्ज मामलों में सबसे ज्यादा तीन-तीन शिकायतें अयोध्या नगर और कोलार थाना क्षेत्र से सामने आई हैं। इसके अलावा अशोका गार्डन, टीटी नगर, रातीबड़ और अवधपुरी से भी लोगों के लापता होने की सूचना मिली है। परिजनों के अनुसार कई लोग घर से पढ़ाई या अन्य काम के लिए निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। कुछ मामलों में लापता लोगों के मोबाइल फोन भी बंद बताए जा रहे हैं। पुलिस ने सभी मामलों में गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस टीमें लापता लोगों की तलाश में जुटी हैं और संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों से भी आवश्यक जानकारी लेकर पुलिस जांच आगे बढ़ा रही है। अयोध्या नगर थाना

क्षेत्र में तीन लोगों के लापता होने की शिकायत पुलिस के पास दर्ज हुई है। इनमें 19 वर्षीय गरिमा, 24 वर्षीय तनु और 22 वर्षीय मनीष शामिल हैं। परिजनों के अनुसार तीनों पढ़ाई के लिए घर से निकले थे, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटे। काफी तलाश करने के बाद भी जब उनका कोई पता नहीं चला तो परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। वहीं अशोका गार्डन थाना क्षेत्र से 17 वर्षीय छात्रा के लापता होने की शिकायत सामने आई है। परिजनों के अनुसार छात्रा पढ़ाई के लिए घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी। तलाश के बाद भी जानकारी नहीं मिलने पर उसकी मां ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों थाना क्षेत्रों में गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

शहर के इन थानों से मिली शिकायतें

कोलार थाना क्षेत्र में भी तीन लोगों के लापता होने के मामले सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार क्षेत्र से 20 वर्षीय शिवकांत, 40 वर्षीय अमरजीत और 45 वर्षीय तुलसी राम के लापता होने की शिकायत दर्ज हुई है। इसके अलावा टीटी नगर थाना क्षेत्र से युवती मुस्कान के लापता होने की सूचना मिली है। रातीबड़ थाना क्षेत्र से 30 वर्षीय अनमोल सोनी और अवधपुरी थाना क्षेत्र से 16 वर्षीय बालिका के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई है। इस तरह 24 घंटे के दौरान शहर के कई थाना क्षेत्रों से कुल 10 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शिकायत मिलते ही संबंधित थानों की टीमें सक्रिय हो गई हैं। पुलिस संभावित स्थानों पर तलाश करने के साथ परिजनों और परिचितों से भी जानकारी जुटा रही है।

सहस्रबाहु मंदिर में ग्रीन वैली मंगल भवन का हुआ लोकार्पण

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बसंत कुंज स्थित भगवान श्री सहस्रबाहु मंदिर प्रांगण में श्री सहस्रबाहु ग्रीन वैली मंगल भवन का लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। समारोह में कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग, पश्चिम चंपारण (बिहार) के सांसद डॉ. संजय जायसवाल, महापौर मालती राय, सिवनी विधायक दिनेश राय (मुनमुन) सहित अनेक जनप्रतिनिधि और समाज के वरिष्ठजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कलार समाज दिलीप सूर्यवंशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतवर्षीय हैहय कल्चुरी महासभा जयनारायण चौकसे, राष्ट्रीय महासचिव एम.एल. राय, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, प्रदेश मंत्री राजो मालवीय, पूर्व जिला अध्यक्ष विकास वीरानी, पूर्व निगम अध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान, एमआईसी

सदस्य सुषमा ववीसा, पार्षद अरविंद वर्मा, जिला मंत्री अश्विनी राय सहित समाजसेवी राजाराम शिवहरे और वीरेंद्र 'पप्पू' राय उपस्थित रहे। समारोह में कलार समाज के वरिष्ठ नागरिकों एवं सामाजिक बंधुओं ने भी सहभागिता की। अतिथियों ने मंगल भवन को सामाजिक आयोजनों और सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोगी बताते हुए समाज की एकजुटता और विकास की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम बताया।

राजधानी में एसी इलेक्ट्रिक बसों के लिए करना होगा इंतजार, 1 अगस्त से शुरू होगा सफर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में एयर कंडीशंड इलेक्ट्रिक बसों का इंतजार कर रहे यात्रियों को अभी कुछ दिन और धैर्य रखना होगा। शहर की सड़कों पर 20 जुलाई से ई-बसों का ट्रायल रन जारी है, लेकिन ऑनलाइन टिकटिंग सिस्टम की टेस्टिंग पूरी नहीं होने के कारण अभी यात्रियों को इन बसों में सफर की अनुमति नहीं दी गई है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड का कहना है कि सभी तकनीकी परीक्षण पूरे होने के बाद 1 अगस्त से बसों का कमर्शियल संचालन शुरू करने की तैयारी है। हालांकि, औपचारिक लोकार्पण 15 अगस्त को प्रस्तावित है।

बीसीएलएल अधिकारियों के मुताबिक ई-बसों में लागू किए जा रहे ऑनलाइन टिकटिंग सॉफ्टवेयर की अंतिम जांच जारी है। इस प्रक्रिया में करीब दो दिन और लग सकते हैं। तकनीकी परीक्षण सफल होने के बाद बसों को यात्रियों के लिए शुरू कर दिया

जाएगा। संभावना है कि 1 अगस्त से पहले भी संचालन शुरू किया जा सकता है, लेकिन अंतिम फैसला टेस्टिंग पूरी होने के बाद लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत भोपाल को पहले चरण में 100 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत हुई हैं। इनमें से 21 बसें बेरागढ़ डिपो पहुंच चुकी हैं। शुरुआत में 10 बसों का संचालन चिरायु अस्पताल-बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन-बेरागढ़ चिच्चली और चिरायु अस्पताल-बोर्ड ऑफिस मेट्रो स्टेशन-रेलवे कोच फैक्ट्री रूट पर किया जाएगा। यात्रियों से वही किराया लिया जाएगा, जो वर्ष 2022 में लो-फ्लोर बसों के लिए तय किया गया था। नई इलेक्ट्रिक बसों में यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। इनमें एयर कंडीशनिंग, डिजिटल टिकटिंग, जीपीएस आधारित ट्रैकिंग, सीसीटीवी कैमरे, एआई आधारित पैसेंजर काउंटिंग सिस्टम, व्हीलचेयर लिफ्ट, इमरजेंसी बटन और पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम जैसी सुविधाएं शामिल हैं। खास बात यह है कि इतनी सुविधाओं के बावजूद यात्रियों को अतिरिक्त किराया नहीं देना होगा। फिलहाल ई-बसों का ड्राई रन जारी है। ट्रायल के दौरान सुरक्षा, तकनीकी प्रदर्शन और यात्री सुविधाओं से जुड़े सभी मानकों की जांच की जा रही है। बीसीएलएल का कहना है कि सभी परीक्षण संतोषजनक रहने के बाद ही बसों का नियमित संचालन शुरू किया जाएगा, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और भरोसेमंद सफर मिल सके।

मैथिलीशरण गुप्त वाचनालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम

भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल जन संपर्क शाखा द्वारा आज वार्ड -68 अयोध्या नगर भोपाल में वृक्षारोपण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस आयोजन में जामुन ,आम, नीम ,गुलमोहर ,पीपल आदि के पौधे रोपे गए एवं पौधा रोपण के पश्चात इन पौधों की रक्षा एवं देखभाल करने का संकल्प भी लिया गया। इस वृक्षारोपण के कार्यक्रम में रजनीश वशिष्ठ जोनल ऑफिसर जोन -16 नगर पालिक निगम, प्रणय तलोकर वरिष्ठ अनुभाग अभियंता रेलवे (से.नि.), घनश्याम मैथिल अमृत वरिष्ठ साहित्यकार एवं संयोजक पाठक मंच मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद अयोध्या नगर भोपाल, कमलेश पटवा जनसंपर्क विभाग नगर पालिक निगम भोपाल, संतोष सिंह परिहार, प्रेम कुमार, जश्विनी वशिष्ठ, स्मिता वशिष्ठ , संतोष एवं दीपक सविता सहित अन्य स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

मेट्रो एंकर | **ब्रिक्स से पहले भोपाल में दोहरी चुनौती, शेल्टर होम हैं नहीं, एबीसी सेंटरों की क्षमता भी सीमित**

वीवीआईपी रूटों को चमकाने में जुटा निगम, 1500 कुत्तों को हटाने की तैयारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 5 से 8 अगस्त तक होने वाली तृतीय ब्रिक्स कल्चर वर्किंग ग्रुप (सीडब्ल्यूजी) और संस्कृति मंत्रियों की बैठक की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कई देशों से आने वाले वीवीआईपी मेहमानों के मद्देनजर नगर निगम एयरपोर्ट से पॉलीटेक्निक, बोट क्लब, न्यू मार्केट और एमपी नगर तक के प्रमुख मार्गों को व्यवस्थित करने में जुटा है। अतिक्रमण और आवारा मवेशियों को हटाने के साथ अब करीब 1500 आवारा कुत्तों के प्रबंधन की चुनौती भी सामने है। निगम के पास इतने कुत्तों को रखने के लिए पर्याप्त शेल्टर होम नहीं हैं। शहर में तीन एबीसी सेंटर हैं, जिनकी क्षमता 500 से कम बताई जा रही है। 1500 कुत्तों को रखने के लिए 25 से 30 हजार वर्गफीट जगह की जरूरत होगी। वहीं, भोजन और देखभाल पर भी लाखों रुपये खर्च होंगे। एबीसी सेंटर संचालित करने वाली निजी संस्थाओं ने फंड की कमी का हवाला दिया है। पशु चिकित्सकों का कहना है कि

कुत्तों को उनके क्षेत्र से हटाकर दूसरी जगह रखना उनके लिए तनावपूर्ण हो सकता है। निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने कहा कि ब्रिक्स सम्मेलन के चलते वीवीआईपी रूट्स को व्यवस्थित किया जा रहा है और नियमों के तहत आवारा पशुओं व कुत्तों का प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा।

भोपाल में शेल्टर होम शून्य, तीन एबीसी सेंटरों पर भी क्षमता का संकट

ब्रिक्स सम्मेलन से पहले आवारा कुत्तों के प्रबंधन को लेकर नगर निगम के सामने बड़ी चुनौती है। भोपाल में फिलहाल एक भी स्थायी शेल्टर होम नहीं है। इसके विपरीत इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में शेल्टर होम की व्यवस्था मौजूद है। भोपाल में शेल्टर होम के लिए अभी टेंडर जारी करने की तैयारी चल रही है। शहर में संचालित तीन एबीसी सेंटरों की कुल क्षमता 500 से कम बताई जा रही है। इनमें बड़ी संख्या में कुत्तों को रखने पर नसबंदी कार्यक्रम प्रभावित होने की आशंका है। निजी संस्थाओं ने भी भोजन और देखभाल के लिए पर्याप्त फंड नहीं होने की बात कही है। ऐसे में 1500 कुत्तों को अस्थायी रूप से रखने के लिए अलग व्यवस्था करना निगम के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

4.2 टन भोजन और 30 हजार वर्गफीट जगह की दरकार

1500 कुत्तों को आठ दिनों तक रखने के लिए करीब 25 से 30 हजार वर्गफीट जगह की जरूरत का अनुमान है। प्रति कुत्ता प्रतिदिन करीब 350 ग्राम भोजन की आवश्यकता के हिसाब से आठ दिनों में लगभग 4.2 टन भोजन लगेगा। भोजन की अनुमानित लागत 50 से 60 रुपये प्रति कुत्ता प्रतिदिन बताई गई है। इस हिसाब से आठ दिनों का कुल खर्च छह लाख रुपये से अधिक हो सकता है। पशु चिकित्सकों के अनुसार कुत्तों को उनके मौजूदा क्षेत्र से हटाकर दूसरी जगह ले जाना उनके लिए शारीरिक और मानसिक तनाव का कारण बन सकता है। उनका कहना है कि नई जगह पर क्षेत्र बदलने से कुत्तों के अस्तित्व और सुरक्षा से जुड़े जोखिम भी पैदा हो सकते हैं। ऐसे में नियमों का पालन करते हुए प्रबंधन करना जरूरी होगा।

अचानक बंद हुआ 'रेल वन' एप, न टिकट बुक हुई न मिला कोई अलर्ट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रेल वन एप और आईआरसीटीसी के माध्यम से शहर के हजारों यात्री रोजाना ऑनलाइन टिकट बुक करते हैं, लेकिन रेल वन एप में आई तकनीकी खराबी ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। टिकट बुकिंग के दौरान बार-बार 'सर्विस अनअवेलेवल' का संदेश आने से कई यात्री टिकट नहीं करा सके। मजबूरी में लोगों को दोस्तों, रिश्तेदारों और टिकट काउंटर से टिकट खरीदनी पड़ी। अचानक आई इस तकनीकी समस्या से कई यात्रियों का समय बर्बाद हुआ और उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ा।

समृद्ध किसान
समृद्ध प्रदेश
किसान
कल्याण वर्ष 2026
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
बलराम कृषि महोत्सव
27 जुलाई, 2026 | नई कृषि उपज मंडी, खण्डवा
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि
₹3300 करोड़+ का
82 लाख + किसानों को
अंतरण एवं संवाद
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण
आधुनिक खेती का मंत्र
उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई
और डिजिटल कृषि सेवाओं की जानकारी
जैविक खेती से बढ़ेगी आय
प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण,
जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि पर विशेष फोकस
जानकारी का एक मंच
कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन,
सहकारिता सहित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी
विशेषज्ञों से सीधा संवाद
खेती की समस्याओं का समाधान, नई तकनीकों और
बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी
मौसम के अनुसार खेती की तैयारी
मृदा स्वास्थ्य, मौसम आधारित खेती और
जलवायु अनुकूल कृषि के टिप्स
D-11065/26
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

लोकतंत्र की परीक्षा बाकी

लोकतंत्र में अनशन केवल भोजन का त्याग नहीं होता, बल्कि सत्ता की संवेदनशीलता की परीक्षा भी होता है। यह वह भाषा है, जिसमें शब्दों से अधिक मौन बोलता है और मांगों से अधिक नैतिक दबाव काम करता है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी नागरिक ने अपने शरीर को संघर्ष का माध्यम बनाया है, तब सवाल केवल उसकी मांगों पर नहीं उठे, बल्कि इस बात पर भी उठे कि क्या लोकतांत्रिक व्यवस्था अपने असहमत नागरिकों को सुनने के लिए तैयार है। सोनम वांगचुक का 26 दिन का अनिश्चितकालीन अनशन इसी व्यापक बहस का नया अध्याय बना। अनशन समाप्त होने के बाद वांगचुक पर सबसे बड़ा आरोप यह लगा कि उन्होंने केंद्र सरकार से कोई गुप्त समझौता कर लिया। लेकिन उनका जवाब उतना ही सीधा था, जितना उनका संघर्ष कठिन। उनका प्रश्न था-यदि समझौता ही करना होता, तो 26 दिनों तक भूखे रहने, शारीरिक पीड़ा सहने और अनिश्चितता का जोखिम उठाने की आवश्यकता ही क्या थी? यह तर्क केवल व्यक्तिगत सफाई नहीं, बल्कि उन सभी आंदोलनों की वास्तविकता को सामने लाता है, जहां हर रणनीतिक निर्णय को अक्सर समझौते की नजर से देखा जाने लगता है।

वांगचुक का कहना है कि उन्होंने अनशन इसलिए समाप्त किया क्योंकि उन्हें आशंका थी कि आंदोलन में शामिल छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई हो सकती है। यदि किसी आंदोलन का नेतृत्व अपने समर्थकों की सुरक्षा को अपनी व्यक्तिगत लड़ाई से ऊपर रखता है, तो उसे केवल पीछे हटना नहीं कहा जा सकता। कई बार संघर्ष का सबसे कठिन निर्णय वही होता है, जिसमें नेता अपनी जिद नहीं, बल्कि अपने साथ खड़े लोगों की सुरक्षा चुनता है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष सरकार की भूमिका है। वांगचुक का लिखित आश्वासन पर जोर देना बताता है कि लोकतंत्र में भरोसा केवल मौखिक वादों से नहीं, बल्कि संस्थागत जवाबदेही से बनता है। लिखित प्रतिबद्धता किसी भी संवाद को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाती है। यदि वास्तव में सरकार ने ऐसा आश्वासन दिया है, तो अब उसकी विश्वसनीयता इस बात से तय होगी कि उन वादों पर अमल कितना ईमानदारी से होता है। अब परीक्षा केवल एक आंदोलनकारी की नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की है, जो यह दावा करती है कि संवाद उसके लोकतांत्रिक चरित्र की सबसे बड़ी पहचान है।

निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

प्रशासन तंत्र लोक कल्याणकारी कामों का लाभ आमजनों तक ले जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रशासन तंत्र को सक्रिय किया है। प्रधानमंत्री नीति व निर्णयों में तेज रफ्तार गतिशील हैं। वे सारी कार्य संस्कृति बदल रहे हैं। आखिरकार सभी सुधारों का अंतिम उपकरण प्रशासन तंत्र है। नीतियों और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन प्रशासन तंत्र द्वारा ही होता है। नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र में जड़ता है। जिम्मेदार अधिकारी भी अपने कर्तव्यों के निर्वाहन में जनता से दूरी बनाए रखते हैं। देश में अधिकारी तंत्र और जनप्रतिनिधियों के मध्य अच्छे सम्बंध नहीं हैं। जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक तंत्र में तनाव रहता है। मारपीट की नौबत तक आ जाती है। आदर्श लोकतंत्र के लिए यह अच्छी स्थिति नहीं है।

सो उत्कृष्ट, निष्ठावान और कार्यकुशल प्रशासन आधुनिक भारत की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। हमारे संविधान तंत्र में सरकारें संसद व विधानमण्डलों के सामने जवाबदेह हैं। जनप्रतिनिधि भी प्रत्येक 5 वर्ष के बाद आम जनता के समक्ष होते हैं। लेकिन प्रशासन तंत्र की कोई जवाबदेही नहीं। प्रशासन तंत्र संवेदनहीन और निष्क्रिय है और सरकारें सक्रिय। भारतीय प्रशासन का इतिहास पुराना है। प्राचीन प्रशासन की प्रशंसा फाहयान ने भी 'शासन प्रबंध सुव्यवस्थित, उदार व सौम्य' बताकर की है। मौर्यकाल (340 ई0पूर्व) में भी सुगठित राष्ट्रनिष्ठ शासन तंत्र था। कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में प्रशासन तंत्र का खूबसूरत विवरण है। सिंधु घाटी सभ्यता (2200 ई.पूर्व से 1750 ई. पूर्व तक) के प्रशासन को ह्वीलर व पिगाट जैसे विद्वानों ने भी सुगठित बताया है। उत्तर वैदिक काल व वैदिक काल का प्रशासन समाज के साथ एकताबद्ध और उत्तरदायी था। अंग्रेजी शासकों ने अपने साम्राज्य को मजबूत करने का प्रशासन तंत्र बनाया था। अंग्रेज सरकारों ने भी प्रशासनिक सुधारों के लिए कई आयोग बनाए थे। प्रशासन ही सत्ता चलाने का उपकरण था। वे स्वाभाविक ही प्रशासनिक सुधारों पर सजग थे लेकिन स्वतंत्र भारत में लम्बे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस ने प्रशासनिक सुधारों पर कोई ठोस काम नहीं किया। प्रशासन परम स्वतंत्र होने की स्थिति का उपभोग करता आया है।

भारतीय संविधान की उद्देशिका व नीति निदेशक तत्व सरकार व प्रशासन तंत्र के मार्गदशक हैं। वे सुस्थापित विधि नहीं बल्कि सरकार व प्रशासन के कामकाज की आत्मा है। प्रशासन तंत्र इन सूत्रों से नहीं जुड़ता। स्वतंत्र भारत (1951) में प्रशासन की कार्यशैली पर एन0डी0 गोरेवाला की रिपोर्ट 'लोक प्रशासन पर प्रतिवेदन' नाम से आई। रिपोर्ट के अनुसार 'कोई भी लोकतंत्र स्पष्ट, कुशल व निष्पक्ष प्रशासन के अभाव में सफल नियोजन नहीं कर सकता।' इस रिपोर्ट में अनेक उपयोगी सुझाव थे लेकिन क्रियान्वयन नहीं हुआ। 1952 में केन्द्र ने प्रशासनिक सुधारों पर विचार करने के लिए पाल एपिलबी की नियुक्ति की। उन्होंने पूरे देश का भ्रमण किया और 'लोक प्रशासन सर्वेक्षण का प्रतिवेदन' प्रस्तुत किया। रिपोर्ट में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव थे। लेकिन जड़ता नहीं टूटी। स्वाधीनता के 19 बरस बाद पहला प्रशासनिक सुधार आयोग (1966) बना। मोरारजी देसाई अध्यक्ष थे, वे मंत्री हो गए। आयोग ने हनुमंतैया की अध्यक्षता में काम बढ़ाया। आयोग का पहला प्रतिवेदन 'नागरिकों की व्यथा दूर करने की समस्या' शीर्षक से 20 अक्टूबर 1966 में आया। प्रशासन बनाम आमजन की व्यथा से पूरा देश पीड़ित है लेकिन इस महत्वपूर्ण बिन्दु की उपेक्षा हुई। आयोग ने केन्द्रीय प्रशासन व राज्य प्रशासन पर अलग-अलग सुझाव दिये। रिपोर्ट में आर्थिक नियोजन को आर्थिक प्रशासन के रूप में पहचानने के भी उल्लेख थे।

प्रशासन का रूप-रंग और कार्य व्यवहार जस का तस बना रहा। पहले प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्ट (1970) के 35 साल बाद सितम्बर 2005 में वीरप्पा मोइली की अध्यक्षता में दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग बना। मोइली ने 2009 में पद त्यागा। इस आयोग ने भी केन्द्रीय प्रशासन के ढांचे के साथ राज्य प्रशासन पर भी सिफारिशें की। जिला प्रशासन को सक्षम बनाने की भी महत्वपूर्ण संस्तुतियां की। इस रिपोर्ट में आतंकवाद की चुनौती पर भी सुझाव थे। मनरेगा के क्रियान्वयन की भी शल्य परीक्षा थी। समूची रिपोर्ट पर मंत्रियों के समूह को विचार का काम सौंपा गया। आयोग की सिफारिशों के अंत में कहा गया था 'सरकार के दृष्टिकोण में आवंटन आधारित विकास कार्यक्रमों से पात्रता आधारित विकास कार्यक्रमों की ओर अन्तरण हुआ है। सभी क्षेत्रों में विकास पर जोर है। केन्द्रीय बजट बढ़ा है। इस सबके कारण संस्थागत प्रशासनिक व वित्तीय प्रबंधन का सुदृढ़ीकरण जरूरी है।' यहां विकास के सभी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक प्रबंधन पर जोर है। लेकिन असली दिक्कत दूसरी है। सभी कार्यक्रमों को अंतिम परिणिति तक पहुंचाने वाले प्रशासन तंत्र की प्रथम वरीयता परिणाम देना नहीं अपितु अपनी सेवा सुरक्षा है। संविधान विशेषज्ञ मंत्रिपरिषद को अस्थाई और प्रशासन को स्थाई सरकार कहते हैं। यह उचित भी है। सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष है और प्रशासन का कार्यकाल सतत् चलता है। लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की शक्ति प्रशासन में निहित है। सरकारें पेयजल की समस्या पर बजट देती हैं। व्यवस्था प्रशासन के हाथ में है। बजट का बड़ा भाग प्रायाः खर्च नहीं हुआ। प्रशासन तंत्र चाहता तो खर्च हो जाता। योजनाएं बनती हैं, क्रियान्वित नहीं होती। योजना की प्राक्कलन राशि बढ़ती जाती है। उत्तरदायित्व किसका? तमाम बैंक अधिकारियों ने बेरोजगारो को टाल दिया। कई राज्यों में प्रशासन का राजनैतिकरण हुआ है। कुछेक प्रशासनिक अधिकारी सत्तादल के कार्यकर्ता जैसा आचरण करते हैं। आईएएस अधिकारियों के एक समागम में एक अधिकारी ने दूसरे से पूछा 'पार्टनर! आपके जिले की जनसंख्या क्या है?' अगले ने कहा 'ओनली ऐट सिर्फ आठ।' पहले ने पूछा 'कुछ समझ में नहीं आया।' अगले ने कहा 'आठ नेता सीएम से मिलते हैं। यही जनसंख्या है। इन्हीं को सेट रखना हमारी प्राथमिकता है।' बेशक यह मजाक है लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं।

केन्द्र की नीति और नीयत की प्रशंसा हो रही है। नीति और नीयत को क्रियान्वित करने वाला मुख्य उपकरण प्रशासन है। प्रशासन को नये आर्थिक सुधारों के क्रियान्वयन का सक्रिय उपकरण बनाना ही होगा। इसी तरह समाज कल्याण से जुड़ी योजनाओं, कृषि, स्वरोजगार व गरीबी से संघर्ष के काम में ढिलाई करने वाले प्रशासन तंत्र की मनोदशा में बदलाव जरूरी है। प्रशासनिक सुधार आयोगों की सिफारिशें उपयोगी हैं। भारत की नई चुनौतियों के बरक्स प्रशासन के सामने भी चुनौतियों का नया स्वरूप आया है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सीजेपी प्रोटेस्ट और हमारे युवा... जेन जी को शिक्षा के साथ भी संस्कार आवश्यक

प्रो. मनीषा शर्मा
शिक्षाविद

सीजेपी आंदोलन खत्म हो गया, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में मुझे सबसे ज्यादा चिंता हुई इस युवा पीढ़ी की जो वहाँ उपस्थित थी। उनके आचरण, व्यवहार और प्रयोग की जा रही भाषा सबने एक पालक और शिक्षक होने के नाते मुझे झकझोर कर रख दिया। क्या यह पीढ़ी हमारे देश का भविष्य है? उनकी शिक्षा के विषय में क्या ही बात की जाए। कोई आईएएस की तैयारी कर रहा है, कोई मेडिकल की, कई उच्च शिक्षित थे, कई विद्यार्थी प्रसिद्ध और नामी विवि के थे।

मतलब हम इन्हें उच्च शिक्षित कह सकते हैं लेकिन जब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो, रील, मीम्स देखते हैं तो दिमाग जवाब दे जाता है। क्या यह वाकई शिक्षित है? यदि हां तो हम कैसी शिक्षा व्यवस्था चला रहे जो इस पीढ़ी को यह तक ना सिखा पाई कि एक शिक्षित और सभ्य इंसान की भाषा का स्तर क्या होता है। हमारे यहां कहा जाता है कि जब आप बोलते हो तो सिर्फ आप नहीं बोलते बल्कि आपका पूरा खानदान बोलता है। अर्थात आपके मुंह खोलते ही आपकी परवरिश सामने आ जाती है जो बताती है आपके घर का माहौल कैसा है। लेकिन यह बात सो कूल कहलाने वाली जेनरेशन नहीं जानती। एक पालक और शिक्षक होने के नाते में पूरी जिम्मेदारी से बोल रही हूं कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कारित करने की बहुत ज्यादा आवश्यकता है।

यह भाषा जो जंतर-मंतर पर बोली जा रही थी गालियों और नारों के रूप में उस व्यक्ति के लिए जो आपके पिता या दादा की उम्र का है, ये किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं है। मैं जो सुन भी नहीं पा रही थी वो 18- 19 साल की लड़कियां बोल रही थी। ये युवा वो है जिनके कंधों पर देश की जिम्मेदारी है। मैं ही क्यों मेरे जैसे अनेक लोग जो आज भी भाषा की मर्यादा और संयम जानते हैं वह भी यही मान रहे हैं। सीजेपी आंदोलन के दौरान कुछ युवाओं द्वारा किए गए प्रदर्शन में अभद्र भाषा, गाली-गलौज और अराजक व्यवहार की घटनाओं ने पूरी युवा पीढ़ी और समाज के सामने एक गंभीर प्रश्न खड़ा किया है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों का शीर्ष नेतृत्व से प्रश्न पूछने का अधिकार है। लेकिन उस अधिकार के साथ कर्तव्य और जिम्मेदारी भी जुड़ी है। अधिकार का प्रयोग पूर्ण मर्यादा और जिम्मेदारी के साथ होना चाहिए। यदि कोई भी विरोध अपनी गरिमा और संयम और अनुशासन खो देता है तो उसका उद्देश्य कमजोर हो जाता है। इस सीजेपी आंदोलन में पूरे समय शालीनता के स्थान पर अपशब्द, अभद्रता तथा हिंसक प्रवृत्ति हावी दिखी। यह घटना इस बात पर विचार करने के लिए प्रेरित करती है कि युवा का केवल उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं है। विद्या ददाति विनयम अर्थात विद्या विनम्रता प्रदान करती है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति को विवेकशील, संवेदनशील और अनुशासित बनाना है। यदि शिक्षित होने के बावजूद किसी व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में संयम, सम्मान, विनम्रता और नैतिकता का अभाव दिखता है तो यह बताता है कि शिक्षा के साथ संस्कार प्रदान नहीं किए गए। संस्कारों का समुचित विकास नहीं हो पाया।

संस्कार देना किसी एक व्यक्ति का काम नहीं। यह परिवार, समाज और विद्यालय तीनों के संयुक्त प्रयासों से ही विकसित होते हैं। यही संस्कार हमें सिखाते हैं कि किसी बात को कैसे रखा जाए। किसी से यदि मतभेद हो तब भी संवाद की भाषा सभ्य होनी चाहिए। असहमति को तर्क से व्यक्त किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करना हमारा प्रथम कर्तव्य होना चाहिए। अपशब्दों और अराजकता से न तो कभी विचारों को मजबूती मिली है और न ही समाज को।

हालाँकि मैं यह भी समझती हूं कि एक आंदोलन में शामिल कुछ युवाओं के व्यवहार के आधार देश के सभी युवाओं को कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। इससे पूर्व कई आंदोलन हुए जहां शांतिपूर्ण तरीके से लोगों ने अपनी बात रखी हैं। लेकिन चिंता की बात तो यह है कि सो कूल कहलाने के लिए, बनने के लिए युवा पीढ़ी किस स्तर पर आ रही है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा के साथ युवा के चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों के विकास पर भी समान रूप से बल दिया जाए। यहां माता-पिता की भूमिका भी अति महत्वपूर्ण हो जाती है। ज्ञान के साथ संस्कार अति आवश्यक है। संस्कार, अनुशासन और संयम से ही समाज और देश को जिम्मेदार नागरिक मिलते हैं। सभ्य भाषा, अनुशासित आचरण और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन ही किसी भी मांग को, आंदोलन को प्रभावी और सम्मानजनक बनाता है। बात कहने का सलीका हो हो हर बात सुनी जाती है।

आज आवश्यकता है कि युवाओं को सो कूल के नाम पर अमर्यादित और असभ्य और असंयमित होने से बचाने के लिए माता-पिता को घर में, शिक्षक को स्कूल और विश्वविद्यालयों में आगे आना होगा। युवा से संवाद कर उन्हें आचरण की शिक्षा भी देनी होगी। शिक्षा किसी भी मनुष्य को योग्य बनाती है लेकिन संस्कार ही उसे श्रेष्ठ बनाते हैं। इसलिए एक सशक्त और सभ्य समाज के निर्माण के लिए शिक्षा और संस्कार, दोनों का संतुलित और समन्वय आवश्यक है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

दिन में लगातार नींद की समस्या हो सकती है खराब स्लीप हाइजीन का संकेत

समय के साथ लोगों की जीवनशैली में कई तरह के बदलाव देखने को मिले हैं। आज के समय में बच्चे हों या वयस्क सभी आगे निकलने की होड़ में दिन रात मेहनत करते हैं। इसके अलावा, जब भी समय मिलता है तो अधिकतर लोग मोबाइल में घंटों रील स्क्रॉल करना पसंद करते हैं। रात में अक्सर मोबाइल या लैपटॉप में काम व सोशल मीडिया को स्क्रॉल करने से लोगों की नींद प्रभावित होने लगी है। जिसके चलते उन्हें दिन के समय हमेशा थकान बनी रहती है और नींद आती है। धीरे-धीरे यह समस्या आम बनती जा रही है। इससे लोगों की मेंटल हेल्थ और प्रोडक्टिविटी पर भी प्रभाव पड़ता है।

हालांकि, दिन के समय में नींद आना कई बार स्लीप एपनीया, डायबिटीज, दवाओं का असर और तनाव का भी संकेत हो सकता है। इस स्थिति में आपको डॉक्टर से संपर्क कर इलाज शुरू करना चाहिए। जबकि, थकान और रात में पर्याप्त नींद न आने की वजह से होने वाली एक्सेसिव डेटाइम स्लीपीनेस को मैनेज करने के लिए आप उपाय कर सकते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन बताता है कि दिन के समय अत्यधिक नींद कार्यक्षमता, ध्यान और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है तथा यह दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ा सकती है। यदि आपकी नींद की क्वालिटी खराब है तो दिन में नींद आना स्वाभाविक है। देर रात तक काम करना शरीर की सर्कैडियन रिद्म (ब्क्षश्ग्रश्द्दब्ष्ड्ढ्ग्र ष्ट्ग्रश्ष्ध्र) को प्रभावित करता है। इससे मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव प्रभावित हो सकता है और नींद की गुणवत्ता खराब हो सकती है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के अनुसार सोने-जागने का अनियमित समय दिन में थकान और नींद बढ़ा सकता है। कुछ एंटीहिस्टामिन, एंटी-डिप्रेसेंट और दर्द निवारक दवाएं आलस और सुस्ती पैदा कर सकती हैं। यदि किसी दवा के बाद आपको दिनभर नींद महसूस होती है तो डॉक्टर से परामर्श लें। एनसीबीआई के अनुसार कई दवाओं में स्न्नह्य2ह्यद्बठ्ठद्गह्यह्य एक सामान्य साइड इफेक्ट हो सकता है। जिसकी वजह से दिन के समय नींद आने लगती है। रात के समय सॉफ्ट और पसंदीदा म्यूजिक आपके ब्रेन को शांत करने और नींद की क्वालिटी को बेहतर करने में मदद करता है। एनसीबीआई की स्टडी से पता चलता है कि रात में सोने से पहले सॉफ्ट म्यूजिक हल्की आवाज में सुनने से आपका स्ट्रेस दूर होता है और बेहतर नींद आती है।

दिन के समय हर घंटे ब्रेक लें: लंबे समय तक बैठे रहने से सुस्ती बढ़ सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर घंटे में उठकर कुछ मिनट टहलना चाहिए। इसके अलावा एनसीबीआई के मुताबिक एक्सरसाइज करने से दिन के समय नींद आने की समस्या को दूर किया जा सकता है या उसके प्रभाव को कम करने में मदद मिलती है। बहुत से लोग जागे रहने के लिए बार-बार कॉफी पीते हैं, लेकिन अत्यधिक कैफीन रात की नींद खराब कर सकती है। इसी तरह शराब नींद लाने में मदद करती हुई दिख सकती है, लेकिन यह गहरी नींद को बाधित करती है।

निशाना

उनके निशाने पर..!

दिनेश मालवीय 'अश्क'

हाँ में हाँ उनकी ज़रा-सी ना मिलाने पर
लीजिये मैं आ गया उनके निशाने पर।
जब भी होता है खड़ा मजलूम हिम्मत से
होश ज़ालिम के तभी आते ठिकाने पर।
देख लें एक बार करके प्यार वो सब लोग
हँस रहे जो प्यार में वहशी दीवाने पर।
क्या अजब मंज़र दिखा कानों की महफिल में
एक काना हँस रहा था एक काने पर।
क़स्म जितनी खाई उससे तोड़ दीं ज़्यादा
अब हँसी आती है उसके क़स्म खाने पर।
जैसे ऊधो ठीक वैसे माधो भी निकले
फिर यक़ीं क्यूंकर रहे बोलो ज़माने पर।
हूँ कमा कर जितना खुश, माने न मानें आप
और ज़्यादा खुश था मैं कुछ न कमाने पर।
'अश्क' खुश होते थे पहले आने पर उनके
और अब होते हैं खुश उनके न आने पर।

वायरल कंटेंट

तिजोरी में सहेजकर रखे गए थे 29 लाख रुपए... हफ्ते-भर में चट कर गए दीमक

थाईलैंड से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक परिवार ने प्रॉपर्टी खरीदने के लिए अपनी तिजोरी में लगभग 29 लाख रुपये (करीब 1 मिलियन थाई बाहट) नकद जमा करके रखे थे। लेकिन महज एक हफ्ते के अंदर दीमकों ने पूरे नोटों को चट कर दिया। जब परिवार ने तिजोरी खोली तो नोटों के बंडलों की जगह सिर्फ कागज का बुरादा और पाउडर बचा था। महिला ने बताया कि नोटों को उन्होंने एक महीने पहले ही तिजोरी में बंद किया था। तिजोरी नियमित रूप से खुलती-बंद होती थी, फिर भी दीमक कैसे घुस गए, यह हैरानी की बात है। दीमकों ने नोटों के बंडलों को अंदर से पूरी तरह खोखला कर दिया। बाहरी लेयर कुछ हद तक बची रही लेकिन अंदर का पूरा पैसा मिट्टी हो चुका था।

जब परिवार बैंक पहुंचा तो अधिकारियों ने साफ कहा कि इतने क्षतिग्रस्त नोटों पर कोई रिफंड या रिप्लेसमेंट संभव नहीं है। थाई बैंक के नियमों के अनुसार नोटों की पहचान और सीरियल नंबर साफ दिखने चाहिए। यहां तो नोट पाउडर बन चुके थे। परिवार अब आर्थिक संकट में है क्योंकि प्रॉपर्टी का पेमेंट अटक गया है। थाईलैंड जैसे गर्म और नम मौसम वाले देशों में दीमक बहुत तेजी से फैलते हैं। ये कीड़े लकड़ी, कागज और सेल्यूलोज युक्त किसी भी चीज को खा जाते हैं। नकद नोट कागज से बने होते हैं इसलिए इनके लिए आसान शिकार हैं। विशेषज्ञों की सलाह है कि नोटों को एयरटाइट जिप लॉक बैग्स या प्लास्टिक कंटेनर में रखें। तिजोरी में सिलिका जेल के पैकेट्स डालें जो नमी सोखते हैं। ज्यादा नकद रखने की बजाय डिजिटल ट्रांसफर या बैंक लॉकर का इस्तेमाल करें और घर में दीमक रोधी ट्रीटमेंट करवाएं। भारत में भी मानसून सीजन में दीमकों के हमले आम हैं। कई लोग अपनी अलमारी में रखे महत्वपूर्ण दस्तावेज, पासबुक और नोट खो चुके हैं। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे शहरों में दीमक की समस्या बढ़ रही है। विशेषज्ञ कहते हैं कि नमी और गर्मी दीमकों को बढ़ावा देती है। बता दें कि दीमक वास्तव में सफेद चींटियां कहलाती हैं। एक कॉलोनी में लाखों दीमक हो सकते हैं जो चुपके से काम करते हैं। वे लकड़ी के फर्नीचर, दरवाजे, किताबें और नोट सब कुछ नष्ट कर सकते हैं। रानी दीमक पूरे कॉलोनी की कमान संभालती है और हजारों अंडे देती है।

यूजर्स अपडेट

वाट्सएप पर चैट पहले जैसी नहीं दिखेगी! जल्द ही आने वाला है बड़ा अपडेट

वॉट्सऐप अपने iPhone यूजर्स के लिए एक नया डिज़ाइन लाने की तैयारी कर रहा है। अगर आप iPhone पर वॉट्सऐप इस्तेमाल करते हैं, तो जल्द ही चैट पहले से थोड़ी अलग दिखाई दे सकती है। नई रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी मैसेज बबल (Message Bubble) का डिज़ाइन बदल रही है। नए अपडेट के बाद चैट बबल पहले से ज्यादा गोल दिखेंगे और फोटो-वीडियो भी नए अंदाज में दिखाई देंगे। फिलहाल यह फीचर कुछ बीटा यूजर्स के लिए टेस्ट किया जा रहा है। हालांकि, उम्मीद है कि आने वाले हफ्तों में इसे सभी आईफोन यूजर्स के लिए जारी किया जा सकता है।

सबसे बड़ा बदलाव मैसेज बबल में होगा। अभी वॉट्सऐप के मैसेज बबल हल्के गोल किनारों के साथ आते हैं, लेकिन नए अपडेट के बाद ये और ज्यादा गोल और सॉफ्ट लुक वाले दिखाई देंगे। फोटो, वीडियो और GIF दिखने का तरीका भी बदल जाएगा। अभी तक वॉट्सऐप में फोटो और वीडियो एक बॉर्डर वाले मैसेज बबल के अंदर दिखाई देते हैं। लेकिन नए अपडेट के बाद ये बिना बॉर्डर के दिखाई देंगे, जिससे चैट पहले से ज्यादा साफ और मॉडर्न लगेगी।

कब मिलेगा यह अपडेट?: वॉट्सऐप ने अभी तक आधिकारिक तौर पर नहीं बताया है कि यह नया डिज़ाइन सभी यूजर्स तक कब पहुंचेगा। लेकिन क्योंकि इसकी बीटा टेस्टिंग शुरू हो चुकी है, इसलिए माना जा रहा है कि आने वाले कुछ हफ्तों में इसे धीरे-धीरे सभी iPhone यूजर्स के लिए जारी किया जा सकता है। हाल ही में खबर आई थी कि कंपनी Two-Step Verification में बड़ा बदलाव करने वाली है। इसमें 6 अंकों वाले PIN की जगह पासवर्ड इस्तेमाल करने का ऑप्शन मिल सकता है, जिससे अकाउंट पहले से ज्यादा सुरक्षित होगा। इसके अलावा वॉट्सऐप Username फीचर पर भी काम कर रहा है। इसके आने के बाद यूजर्स बिना अपना मोबाइल नंबर शेयर किए भी दूसरे लोगों से जुड़ सकेंगे। अगर आप iPhone पर वॉट्सऐप इस्तेमाल करते हैं, तो आने वाले दिनों में ऐप का लुक पहले से ज्यादा नया और आकर्षक नजर आ सकता है।

न्यूज विंडो

अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों और एक बुजुर्ग को टक्कर मारी

कटनी। कटनी राष्ट्रीय राजमार्ग पर पीरबाबा के सामने अनियंत्रित कार ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों और एक बुजुर्ग को टक्कर मार दी। जबलपुर की ओर से आ रही कार की चपेट में आने से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। नागरिकों ने तुरंत घायल बुजुर्ग को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल कटनी पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज बीते दिन देर रात सामने आया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त कार जबलपुर से आ रही थी। कार चालक शराब के नशे में था और वाहन पर से नियंत्रण खो चुका था। पीरबाबा के सामने कार अचानक बेकाबू हो गई और उसने सड़क किनारे खड़ी एक अन्य कार को टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई।

छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में रेत तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के बाद विवाद बढ़ा

छिंदवाड़ा। जिले के जुन्नारदेव में रेत तस्करी के खिलाफ कार्रवाई के बाद विवाद बढ़ गया। तहसील कार्यालय में पदस्थ राजस्व निरीक्षक राहुल कुबेरिया ने रेत तस्कर और उसके भाई पर सरेराह रोककर थप्पड़ मारने और मारपीट का प्रयास करने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी पर थाने के भीतर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

आकाशीय बिजली से 3 की मौत, पेड़ के नीचे खड़े 10 मवेशियों की गई जान

अनूपपुर। जिले में बीते दिन हुई तेज बारिश और आकाशीय बिजली कई परिवारों के लिए काल बन गई। कोतमा, बिजुरी और जैतहरी क्षेत्र में अलग-अलग घटनाओं में दो महिलाओं और एक पुरुष की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। वहीं बिजली गिरने से 10 मवेशियों और चार छोटे पशुओं की भी मौत हो गई। इसी बीच जैतहरी क्षेत्र में सोन नदी में मछली पकड़ने गए एक अतिथि शिक्षक के डूबने से हड़कंप मच गया। देर शाम तक एसडीआरएफ और पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुटी रही। कोतमा थाना क्षेत्र के धवई टोला में तेज बारिश के दौरान मवेशी चराने गए मोती यादव (45) अपने पुत्र के साथ बांस की झोपड़ी में रुके थे। इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से मोती यादव की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तीन बकरियां और एक बकरा भी मर गए, जबकि उनका पुत्र सूरज यादव झुलस गया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निगवानी पंचायत के विशुन टोला में बिजली गिरने से पुषनी साहू (70) और उनकी बहू कुसुम साहू गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान पुषनी साहू की मौत हो गई, जबकि कुसुम साहू का इलाज जारी है।वहीं बिजुरी थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमरदा के पकरिया गांव में खेत में धान की रोपाई कर रही पुनिया साहू की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। हादसे में मुनी बाई और सुनीता साहू भी गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

जबलपुर के बरगी बांध के किनारे स्थित प्राचीन नंदिकेश्वर धाम में पेयजल संकट

जबलपुर। जबलपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर बरगी बांध के किनारे स्थित प्राचीन नंदिकेश्वर धाम में पेयजल संकट गहरा गया है। बरगी बांध के पास होने के बावजूद मंदिर परिसर में पिछले डेढ़ महीने से पानी की सप्लाई बंद है। इससे भगवान की पूजा-अर्चना प्रभावित हो रही है और दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को भी

परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कई बार प्रशासन और नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण (एनवीडीए) से शिकायत की गई, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ।

सिंधिया घराने की 400 साल पुरानी तोप चोरी का मामला, तोप की तलाश जारी

बांध को उड़ाने की थी योजना' शिवपुरी के नरवर किले से तोप चुराने वाले गिरफ्तार

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले के नरवर किले से चोरी हुई सिंधिया रियासत की 400 साल पुरानी तोप के मामले में पुलिस ने राजस्थान के करौंली जिले के गांवडा मीणा गांव से दो चोरों को पकड़ने की कार्रवाई की है। इनके पास से पुलिस ने वह लोडिंग वाहन भी जब्त किया है, जिसमें यह चोर तोप को चोरी करके ले गए थे। करीब 20 लोगों ने तोप चोरी की वारदात को अंजाम दिया था जिनमें से दो पुलिस की गिरफ्त में आए हैं और बाकी फरार हैं। वहीं चोरी हुई तोप अभी तक बरामद नहीं हो पाई है।

पुलिस पूछताछ में पता चला कि गांवडा मीणा गांव के लोगों का गुर्जर समाज के लोगों से कई साल पुराना विवाद चल रहा है और वहीं पर पांचना बांध से भी पानी लेने को लेकर कई दिनों से संघर्ष की स्थिति थी। गुर्जर समाज पर दबदबा बनाने व जरूरत पड़े तो बांध को फोड़ने के लिए सोची समझी साजिश के तहत यह तोप चोरी की गई है। पूरे घटनाक्रम में पुलिस अभी तोप को बरामद नहीं कर पाई है और इसके लिए पुलिस के लगातार प्रयास जारी है। पुलिस की मानें तो पुरातत्व विभाग के चौकीदार रमेश कोली ने 16 जुलाई को नरवर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 जुलाई को नरवर किले के कचहरी महल में रखी 14 ऐतिहासिक तोपों में से एक तोप गायब है। पुलिस ने अज्ञात चोरों पर मामला दर्ज किया और मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्वालियर आईजी ने इस मामले में आरोपियों का सुराग देने वाले को 30 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की थी। इसके बाद पुलिस टीम ने सीसीटीवी और टोल कैमरों की मदद से आरोपियों का सुराग मिलाया तो इसका कनेक्शन राजस्थान के करौली जिले में गांवडा गांव में मीणा समाज के कुछ लोगों पर मिला। पुलिस ने इस मामले में करौली जिले के पालनपुर निवासी अमन कुमार पुत्र मोहनलाल मीणा व टिम्मूराम पुत्र भूराराम मीणा निवासी गांवडा मीणा को गिरफ्तार किया है।

मीणा समाज का गुर्जरों से विवाद घटना का मुख्य कारण

पुलिस ने आरोपियों को पकड़ा तो पूछताछ में पता चला कि करौली क्षेत्र में लंबे समय से पांचना बांध को लेकर मीणा समाज के लोगों का गुर्जर समाज से विवाद चल रहा है। आरोपी अमन कुमार ने बताया कि विरोधी पक्ष में भय और दबदबा बनाने के उद्देश्य से नरवर किले से तोप चोरी करने की योजना बनाई गई थी। आरोपी पहले 3 जुलाई को करीब 25 लोगों के साथ नरवर किले पर आए थे, लेकिन तोप में वजन अधिक होने से उस दिन उसे साथ नहीं ले जा पाए। बाद में 15 जुलाई को वह इस तोप को चोरी करके ले गए। आरोपी ने बताया कि अगर बांध से पानी नहीं मिलता तो वह उस बांध को तोप से उड़ाने की योजना बनाकर बैठे थे। नरवर थाना प्रभारी विनय यादव ने बताया कि दो लोगों को पकड़ लिया है। अभी और आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है। हमारा पूरा प्रयास है कि चोरी गई तोप भी जल्द बरामद हो। गुर्जर समाज से विवाद के फेर में यह पूरा घटनाक्रम हुआ है।

राजधानी भोपाल कूच से पहले नर्मदापुरम में पुलिस की घेराबंदी, जगह-जगह बैरिकेडिंग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

शत-प्रतिशत मूंग खरीदी और खाद वितरण के लिए ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले प्रस्तावित भोपाल कूच से पहले सोमवार को नर्मदापुरम जिले में पुलिस और प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। किसानों को राजधानी की ओर बढ़ने से रोकने के लिए जिले से भोपाल जाने वाले प्रमुख मार्गों पर बैरिकेडिंग कर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। अधिकारियों ने सुबह से ही संवेदनशील स्थानों पर मोर्चा संभाल लिया। भोपाल-बुधनी मार्ग स्थित डोंगरवाड़ा तिराहे पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। भोपाल चौराहे पर भी पुलिस की सख्त निगरानी रही और यातायात को नियंत्रित किया गया। आम लोगों के वाहनों की भी जांच के बाद ही आवाजाही कराई गई। नर्मदापुरम रेंज के डीआईजी भी मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। इधर, राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के जिला अध्यक्ष शिवराज राजोरिया, ब्लॉक अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों को सांडिया पुलिस चौकी में हिरासत में लिया गया। खबर लिखे जाने तक प्रमुख किसान नेताओं को हिरासत में लेने का सिलसिला जारी था बताया जा रहा है कि सभी पदाधिकारी मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी और ई-टोकन व्यवस्था समाप्त करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री निवास के घेराव के लिए पदयात्रा पर निकलने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने कार्रवाई कर उन्हें रोक लिया। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस. थोटा ने बताया कि किसानों के पैदल मार्च की अनुमति नहीं है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बैरिकेडिंग कर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी स्थिति में शांति और व्यवस्था भंग नहीं होने दी जाएगी।

संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े 13 किसान संगठनों ने 30 जुलाई को मुख्यमंत्री आवास के घेराव का कार्यक्रम घोषित किया है। आंदोलन की रणनीति के तहत किसानों को 29 जुलाई तक भोपाल पहुंचना था। इसी को देखते हुए नर्मदापुरम जिला प्रशासन और पुलिस रविवार रात से ही सक्रिय होकर जिले के प्रमुख मार्गों पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था में जुट गई।

बहन की सगाई टूटी तो बंदूक लेकर पहुंचे दो भाई, लड़के के रिश्तेदार के घर किया हंगामा

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के ब्यावरा के देहात थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लसूड़िया डाबरिया में रिश्तेदारी के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सगाई टूटने से नाराज लड़की के दो भाई लाइसेंसी 315 बोर बंदूक लेकर लड़के पक्ष के रिश्तेदार के घर पहुंच गए और गाली-गलौच करते हुए जमीन पर फायर कर दिया। गोली कंक्रीट की जमीन पर लगी, जिससे उछले पत्थर और कंक्रीट के एक टुकड़े से छत पर खड़े एक युवक के माथे पर चोट आई है। घायल को पहले ब्यावरा के निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से भोपाल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है, रविवार को एक आरोपी को हिरासत में भी लिया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। देहात थाना पुलिस के अनुसार रात करीब 8.30 बजे लसूडिया डाबरिया गांव में आरोपी भरत पिता दशरथ दांगी और भगवान सिंह दांगी बंदूक लेकर पहुंचे, जहां फरियादी कैलाश दांगी के घर के सामने गाली-गलौच करने लगे। घटना के समय कैलाश गांव में भंडारे में थे। फरियादी का कहना है कि गाली-गलौच की सूचना पर घर पहुंचे, तो आरोपी ने फायर कर दिया। बताया जा रहा है कि फायर सीधे किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि कंक्रीट की जमीन पर किया गया। गोली लगते ही कंक्रीट के टुकड़े उछले और छत पर खड़े 25 वर्षीय नीतेश दांगी के माथे पर जा लगे, जिससे वह घायल हो गया। बताया जा रहा है कि आरोपियों की बहन की सगाई कैलाशी दांगी के परिवार के लड़के से हुई थी लेकिन बाद में सगाई टूट गई थी।

विवाद के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हो गए। घटना के बाद आरोपी वहां से निकल गया। सूचना मिलने पर देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची, घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायल के बयान के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। हालांकि पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में फायर के कोई सबूत

शादी के दो माह बाद हार्डवेयर कारोबारी की निर्मम हत्या

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिले के सांची थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। मेढ़की गांव के 26 वर्षीय हार्डवेयर कारोबारी राकेश लोधी की अज्ञात हमलावरों ने बेरहमी से हत्या कर दी। हैरानी की बात यह है कि राकेश की महज दो महीने पहले ही शादी हुई थी और यह उन पर तीसरा हमला था। पहले दो बार वह हमलावरों के चंगुल से बच निकले थे, लेकिन इस बार बदमाशों ने उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

राकेश सलामतपुर चौराहे पर हार्डवेयर की दुकान चलाते थे। शनिवार रात करीब 10 बजे वह रोज की तरह दुकान बंद कर पास के मंदिर में आरती करने पहुंचे। आरती के बाद जब वह सुनसान रास्ते से अपने घर लौट रहे थे, तभी कुछ अज्ञात लोगों ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, बदमाशों ने पहले राकेश को हाथ देकर रुकवाया। विरोध करने पर उन्हें सड़क किनारे झाड़ियों में घसीट ले गए। वहां धारदार हथियारों से उन पर ताबड़तोड़ हमला किया गया। हमला इतना क्रूर था कि उनकी एक हथेली कटकर अलग हो गई। शरीर पर कई गहरे घाव मिले हैं। घटना के बाद राहगीरों ने राकेश को खून से लथपथ हालत में देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से कटा हुआ हाथ बरामद किया। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए भोपाल रेफर किया गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में उनकी मौत हो गई। राकेश की शादी 12 मई 2026 को सालेरा निवासी वंदना लोधी से हुई थी। परिजनों का कहना है कि शादी के बाद से ही उन पर लगातार हमले हो रहे थे। करीब 15 दिन पहले भी कुछ अज्ञात लोगों ने उनकी आंखों में मिर्च पाउडर झोंककर मारपीट करने की कोशिश की थी।

खबर प्रकाशित होने के बाद निर्माण शुरू होने से क्षेत्रवासियों में खुशी

वर्षों बाद शुरू हुआ सड़क निर्माण कार्य

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

गंज मोड़ से रिपटा घाट तक बदहाल सड़क और आवागमन की परेशानी को लेकर प्रमुखता से प्रकाशित खबर का असर अब जमीन पर दिखाई देने लगा है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी इस सड़क के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है। सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है और प्रशासन की इस पहल का स्वागत किया है। गौरतलब है कि दोपहर मेट्रो ने ÷अंतिम सफर में भी संघर्ष, बदहाल सड़क पर व्यवस्था की बेरुखी÷ शीर्षक से खबर प्रकाशित कर सड़क की दयनीय स्थिति को प्रमुखता से उठाया था। खबर में बताया गया था कि खराब सड़क के कारण आम नागरिकों के साथ-साथ अंतिम यात्रा तक को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रकाशित खबर

खबर प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग सक्रिय हुआ और सड़क निर्माण का कार्य शुरू करा दिया गया। तथा निर्माण कार्य तेजी से जारी है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि वर्षों से इस सड़क की अनदेखी हो रही थी, लेकिन मीडिया द्वारा मुद्दा उठाए जाने के बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई की। लोगों ने उम्मीद जताई है कि निर्माण कार्य शीघ्र पूरा होगा और भविष्य में इस मार्ग पर आवागमन सुगम हो सकेगा।

मेट्रो एंकर

रथ के सारथी बने विधायक, नपाध्यक्ष ने भक्तों संग झाड़ू लगाकर किया प्रभु पथ का स्वागत

महाप्रभु के धाम लौटते ही छलक पड़े भक्तों के नयन, गूंजते रहे जयघोष

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

11 दिनों तक मौसी के घर भक्तों का प्रेम, सेवा और स्नेह स्वीकार करने के बाद रविवार को भगवान श्रीजगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा अपने नित्य धाम श्री नौलखी तपोवन आश्रम, वेत्रवती घाट के लिए भव्य शोभायात्रा के साथ रवाना हुए। विदाई के इस भावुक क्षण में हजारों श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। नगर की सड़कों पर ÷जय जगन्नाथ÷ के गगनभेदी जयघोष, हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा और भक्ति के सागर के बीच महाप्रभु का रथ धीरे-धीरे अपने धाम की ओर बढ़ता रहा। शाम करीब 4 बजे स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर (मौसी के घर) से रवाना हुआ रथ लगभग 7 किलोमीटर की दूरी तय कर रात में अपने धाम पहुंचा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और जगह-जगह स्वागत के कारण इस यात्रा में लगभग 7 घंटे लगे। पूरा नगर भगवान की भक्ति में डूबा दिखाई दिया। यात्रा के दौरान विधायक हरिसिंह रघुवंशी

महाप्रभु के रथ के सारथी बने। वहीं नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने स्वयं श्रद्धालुओं के साथ रथ के आगे झाड़ू लगाकर सड़क के कंकड़-पत्थर साफ किए, ताकि रथ खींच रहे भक्तों के पैरों में कोई तकलीफ न हो। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने सुगंधित जल से प्रभु का मार्ग धोया और गुलाब की पंखुड़ियां बिछाकर स्वागत किया।

नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज पूरे मार्ग में नंगे पैर महाप्रभु के साथ चलते रहे। उनके पीछे हजारों श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए पैदल यात्रा में शामिल रहे। पूरे मार्ग में भक्ति, श्रद्धा और समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला। नौलखी की रथयात्रा नगर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान बन चुकी है। लगभग एक शताब्दी पूर्व सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास जी महाराज द्वारा प्रारंभ की गई। इस वर्ष की रथयात्रा की सबसे भावुक स्मृतियों में नगर भ्रमण के दौरान हुई तेज बारिश भी शामिल रही। मूसलाधार वर्षा के बावजूद न तो महाप्रभु का रथ रुका और न ही भक्तों का उत्साह। भीगते हुए श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन करते रहे और इसे प्रभु का आशीर्वाद मानते रहे। वहीं विदाई के समय नगरवासियों की आंखें नम थीं।

11 दिन तक चलता रहा भक्ति का महासंगम

नगर भ्रमण के बाद महाप्रभु स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में विराजमान हुए थे, जिसे श्रद्धालु प्रेम से मौसी का घर कहते हैं। यहां 11 दिनों तक प्रतिदिन दर्शन, आरती, हरिनाम संकीर्तन, कथा और महाप्रसाद का आयोजन हुआ। पहले प्रतिदिन छप्पन भोग अर्पित किए गए, फिर 96 व्यंजनों का राजभोग और अंत में 757 व्यंजनों का विशाल महाभोग अर्पित कर श्रद्धालुओं ने अपनी अनूठी श्रद्धा व्यक्त की। नगर सहित आसपास के गांवों से हजारों भक्त अपने घरों में बने व्यंजन लेकर पहुंचे। किसी ने मिठाइयां, किसी ने पारंपरिक पकवान, तो किसी ने फल और मेवा अर्पित कर महाप्रभु की सेवा की। जिलेभर की भजन मंडलियों और लोक कलाकारों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बनाए रखा।

ठगी करते पकड़ाया

गुना। नगर में ऑनलाइन भुगतान के नाम पर दुकानदारों को ठगने वाले एक शातिर युवक का भंडाफोड़ हुआ है। विकास नगर निवासी आशु राजपूत को बीते दिन बोहरा मस्जिद रोड स्थित 'बादशाह प्रोविजन' स्टोर पर कर्मचारियों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी नकली ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट दिखाकर महंगे ड्राई फ्रूट्स और किराना सामान लेकर फरार हो जाता था। भुगतान के नाम पर मोबाइल में एडिट किया हुआ ट्रांजेक्शन का स्क्रीनशॉट दिखाता।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व में मेरा नाम है जो मेरी मार्कशीट मैं अंकित है। किंतु अब मेरा नाम परिवर्तित होकर Pankaj Kumar Bajj हो गया है। जो कि मेरे सभी दस्तावेज में है। अतः अब मुझे मेरे इसी सही नाम Pankaj Kumar Bajj से ही जाना पहचाना जाए।

ADDRESS : ward no ww,bilala mill ke peeche ashok nagar Mp

न्यूज विंडो

भगवान की कृपा का अनुभव करते रहना चाहिए: पं.व्यास

सागर. श्री राम बाग मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा में व्यास पीठ पर विराजमान कथा वाचक पंडित मनोज व्यास ने कृष्ण लीला का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि भगवान की कृपा का अनुभव करते रहना चाहिए। संसार में हजारों लोग बीमार हैं, गरीबी में जी रहे हैं,अंधे है दुनिया को देख नहीं सकते यदि आप देख सकते हैं, धनवान है और सत्संग में बेठ कर कथा सुन रहे हैं यही ठाकुर जी की आप पर कृपा है। भगवान कृष्ण ने कई राक्षसों का वध किया। व्यास जी ने गिरिराज परिक्रमा महिमा का बखान किया और गोवर्धन पूजन का वर्णन किया। उन्होंने भजन के माध्यम से गोवर्द्धन पूजन का वर्णन किया। कथा के मुख्य यजमान बाबूलाल लीला साहू हैं ।

चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस के विस्तार की मांग ने फिर पकड़ा जोर

मनेंद्रगढ़। चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस के विस्तार की मांग एक बार फिर जोर पकड़ रही है। इस संबंध में भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष सैमसंग दास ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस का विस्तार दुर्ग तक किया जाए, ताकि एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले के लोगों को रायपुर सहित अन्य प्रमुख शहरों तक सीधी रेल सुविधा मिल सके। सैमसंग दास ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी इस मांग को उठा रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ट्रेन के दुर्ग तक विस्तारित होने से यात्रियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी तथा शिक्षा, रोजगार, व्यापार और चिकित्सा के लिए यात्रा करने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने रेलवे मंत्रालय और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से जनहित को ध्यान में रखते हुए इस मांग पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया है। उनका कहना है कि एमसीबी क्षेत्र के विकास और बेहतर रेल संपर्क के लिए चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस का दुर्ग तक विस्तार अत्यंत आवश्यक है।

शहीद आरक्षक के ढाई वर्षीय पुत्र को मिली अनुकंपा नियुक्ति, बना 'बाल आरक्षक'

तेंदूखेड़ा। मध्य प्रदेश पुलिस ने संवेदनशीलता, मानवीय सरोकार और अपने कर्मियों के प्रति जिम्मेदारी का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए आरक्षक भूपेंद्र सिंह लोधी के ढाई वर्षीय पुत्र पृथ्वीराज लोधी को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की है। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने अपने कार्यालय में आयोजित एक सादे एवं भावुक कार्यक्रम में मासूम पृथ्वीराज को 'बाल आरक्षक' के पद का नियुक्ति आदेश सौंपा। इस दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आंखें भी नम हो गईं। मां की गोद में बैठे नन्हे पृथ्वीराज के हाथों में नियुक्ति पत्र सौंपते समय पूरे वातावरण में संवेदना, आत्मीयता और अपनत्व का भाव स्पष्ट दिखाई दिया। उल्लेखनीय है कि दिवंगत आरक्षक भूपेंद्र सिंह ठाकुर (लोधी), पिता मुकुंद सिंह लोधी, आयु 38 वर्ष, थाना तेंदूखेड़ा में पदस्थ थे। 15 जून 2025 को ड्यूटी के दौरान उनकी एक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा जबलपुर-तेंदूखेड़ा मार्ग पर थाना तेंदूखेड़ा क्षेत्रांतर्गत 27 मील के समीप नरगुँवा टेक के पास हुआ, जहां ड्यूटी के दौरान वे अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। राहगीरों की सहायता से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया गया, जहां से गंभीर स्थिति को देखते हुए जबलपुर रेफर किया गया, लेकिन उपचार के लिए ले जाते समय रास्ते में ही उनका निधन हो गया। इस आकस्मिक दुर्घटना ने परिवार से उसका सहारा छीन लिया और मासूम पृथ्वीराज के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया। ऐसे कठिन समय में पुलिस विभाग ने परिवार को अकेला नहीं छोड़ा। शासन के प्रावधानों के अनुरूप अनुकंपा नियुक्ति की संपूर्ण प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए बालक को 'बाल आरक्षक' के रूप में नियुक्त किया गया।

तेंदूखेड़ा में रामानुज राधेश्याम रामायण एवं भजन मंडल द्वारा सुंदरकांड पाठ संपन्न

तेंदूखेड़ा। स्थानीय रामानुज राधेश्याम रामायण एवं भजन मंडल, तेंदूखेड़ा के तत्वावधान में साप्ताहिक धार्मिक आयोजन की कड़ी में सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। यह पावन धार्मिक अनुष्ठान वार्ड क्रमांक 04, बजरंग बली चौराहा के पास स्थित दीपक साहू के गृह निवास पर संपन्न हुआ।आयोजन की शुरुआत विधि-विधान से गणेश वंदना, हनुमान जी के विशेष पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद रामानुज राधेश्याम रामायण मंडल के मुख्य गायकों और सदस्यों ने ढोलक, मंजीरे की थाप पर संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया। पाठ के दौरान कवन सो काज कठिन जग माहीं, जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं जैसी लोकप्रिय चौपाइयों और भजनों की प्रस्तुति पर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। पाठ के मुख्य समापन पर हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ एवं भव्य महाआरती की गई। इस पावन अवसर पर मुख्य यजमान दीपक साहू एवं उनके परिवार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय धर्मप्रेमी, रामभक्त और रामायण मंडल के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे। महाआरती के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में यजमान दीपक साहू ने सुंदरकांड पाठ को अत्यंत गरिमामयी और सफल बनाने के लिए रामानुज राधेश्याम रामायण मंडल के सभी सदस्यों एवं पधारे हुए अतिथियों का सहृदय आभार व्यक्त किया।

मुश्किल से कटते हैं बारिश के दिन रहवासी नारकीय जीवन जीने को मजबूर

इमलीडोल में कीचड़ से पटे रास्ते से निकलते हैं ग्रामीण, ग्राम पंचायत कर रही अनदेखी

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पंचायतों में विकास कार्य के लिए शासन-प्रशासन करोड़ों की राशि तो खर्च कर रही है, लेकिन पंचायतों में विकास कार्य नजर नहीं आ रहे हैं। हालात यह हैं कि लोगों को सीसी सड़क, नालियां सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं से जूझना पड़ रहा है। तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत इमलीडोल में ऐसा ही मामला नजर आया। जहां पर पंचायत द्वारा लाखों रुपए खर्च कर कुछ काम तो किए हैं, लेकिन घटिया निर्माण के चलते वह ज्यादा समय तक नहीं चले। वर्तमान में इमलीडोल गांव में सीसी सड़कें व नालियों का आभाव है। जिससे ग्रामीणों को खासी मुसीबत झेलनी पड़ रही है। हाल ही में हुई बारिश के चलते गांव के अंदरुनी रास्ते कीचड़ व दलदल में तब्दील हो चुके हैं जिससे लोगों को पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है। आए दिन स्कूल आते-जाते समय बच्चे फिसल रहे हैं। तो वहीं महिलाएं व बुजुर्ग भी सड़क पर चलने से कतराते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी अंधेरे में होती है जब कीचड़ की वजह से लोगों को निकलने में मुश्किल होती है। कीचड़ की वजह से दो पहिया वाहन चालकों को भी काफी संभलकर निकलना पड़ता है। क्योंकि वाहन फिसलने से कई लोग घायल हो चुके हैं। लोगों का कहना है कि इस समस्या से पंचायत से लेकर जनपद तक को अवगत करा चुके हैं, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

गौरतलब है कि पंचायतों में सफाई के नाम पर हर साल शासन से लाखों रुपए की राशि जारी की जाती है। लेकिन गांव में सपाई व्यवस्था भी नजर नहीं आती है। रास्तों पर जगह-जगह गंदगी फैली हुई। जिसकी वजह से संक्रामक बीमारियों का खतरा बना रहता है लेकिन पंचायत को इससे कोई लेना-देना नहीं है

मामला इमलीडोल ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम बारह का है जहां लोगों ने बताया कि गांव के बाहर स्कूल है, जहां हमारे बच्चे हर रोज इसी रास्ते से गुजरते हैं। कई बार तो छोटे बच्चों को गोद में उठाकर सड़क तक ले जाना पड़ता है। कीचड़ से हर रोज गुजरने वाले नवनिहालों के कभी कपड़े तो कभी जूते और बस्ता कीचड़ से सन जाते हैं। कभी-कभी तो जन्हें फिसलने के कारण चोट भी आ जाती है। यही हाल गांव के बुजुर्गों का है, उन्हें भी आवाजाही में बड़ी परेशानी होती है। लेकिन ग्राम पंचायत एवं संबंधित कर्मचारी इसे सुधारने के बजाय बहाने बना रहे हैं, जिससे लोगों में नाराजगी है।

ग्राम पंचायत ने नहीं किए इंतजाम

ग्राम के मोहन लोधी दर्शन लोधी दीपक लोधी माधव लोधी दुर्जन आदिवासी बसंत आदिवासी विष्णु आदिवासी का आरोप है कि बरसात के पहले ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव से रास्ता मरम्मत के लिए कहा गया था, लेकिन हमारी बातों को अनसुना कर दिया गया। इस रास्ते से चार पहिया तो दूर दो पहिया वाहनों को निकालने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। कीचड़ से पटे इस गांव के लोग बेबस और मजबूर होकर सरकारी व्यवस्था से रास्ता मरम्मत की बाट जोह रहे हैं क्योंकि सरपंच सचिव द्वारा एक महीने पहले दो तीन ट्राली मुरम डाल दी गई थी यह कहकर कि इस मार्ग पर सीसी रोड बननी है लेकिन आज तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सकता जिससे हालत गंभीर बनी हुई है।

गांव में प्रवेश करते ही दलदल और गंदगी

गांव के राकेश, सुरेश ने बताया कि पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जाती है। पूरे गांव में सीसी रोड व नालियों का आभाव है। जिससे गंदा पानी सड़कों पर बहता रहता है। अब बारिश के चार - माह पूरी सड़क कीचड़ व दलदल में - तब्दील हो गई है गांव में प्रवेश करते ही सभी गलियों में यही हालात है। - ग्रामीणों ने बताया कि शाम ढलते ही दलदल भरे रास्ते से हम सभी मोहल्ले वाले घरों के बुजुर्ग व बच्चों की आवाजाही बंद कर देते हैं। रात्रि में जरूरत पड़ने पर टॉर्च या अन्य साधनों को लेकर यहां से निकलना पड़ता है। इस रास्ते में कीचड़ व फिसलन होने के कारण कई बार बच्चे, बुजुग, महिलाएं घायल हो चुके हैं।

इकलौते बेटे का शव देख बिलख पड़े माता-पिता

बेतुल। दोपहर मेट्रो

जिले के आठनेर थाना क्षेत्र के ग्राम पुसली में उस वक्त सनसनी फैल गई जब एक कुएं से 21 वर्षीय युवक का शव मिला। एक दिन पहले ही युवक ने एयरफोर्स में चयन होने की खुशी में गांव में मिठाई बांटी थी और दूसरे ही दिन उसका शव मिलने से गांव में मातम पसरा हुआ है। शव के गले में केबल लिपटी हुई मिली है जिसके कारण हत्या की आशंका जताई जा रही है और पुलिस भी मामले को संदिग्ध मानते हुए सभी पहलुओं से जांच में जुट गई है।

पुसली गांव के रहने वाले 21 वर्षीय मोहित गलफट का दो दिन पहले ही एयरफोर्स में चयन हुआ था और चयन होने की खुशी में उसने शनिवार शाम को पूरे गांव में मिठाई बांटी थी। परिजनों ने बताया कि शनिवार रात को मोहित को किसी ने एयफोर्स में चयन होने की पार्टी देने के लिए बुलाया था। देर रात तक जब मोहित घर नहीं लौटा तो परिजन ने पुलिस को सूचना दी। रविवार को मोहित के लापता होने पर

रोड जाम कर प्रदर्शन भी किया और इसी दौरान खेत के एक कुएं के पास मोहित की चप्पलें मिलने का पता चला। ग्रामीण कुएं पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंची और कुएं में सर्च अभियान शुरू किया। कुछ ही देर बाद कुएं से मोहित का शव बरामद हुआ, जिसे देखकर मोहित के माता-पिता पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मोहित के शव के गले में केबल लिपटी हुई थी और चप्पल और अन्य सामान खेत में बिखरे पड़े थे। जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। मोहित के परिजनों ने निष्पक्ष जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध है और हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच, सीसीटीवी फुटेज और साइबर साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

मोहित के पिता किसान हैं और वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। एक बहन की शादी हो चुकी है। मोहित की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। परिजनों के अनुसार रात में किसी ने मोहित को एयरफोर्स में चयन होने की खुशी में पार्टी देने के लिए बुलाया था, जिसके बाद वह घर से निकल गया और फिर वापस नहीं लौटा।

तेज रफ्तार बाइक डंपर से टकराई युवक की मौत, दो गंभीर घायल

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

जिले के सौंसर में देर रात सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना नागपुर-छिंदवाड़ा राष्ट्रीय मार्ग पर सांवली जाम पर हुआ। जब एक तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे खड़े डंपर से टकरा गई।

सौसर थाना प्रभारी रूपलाल उईके ने सोमवार सुबह बताया कि डंपर सड़क किनारे खड़ा था। बड़ोसा निवासी युवक सुधाकर इवनाती, राजकुमार धुर्वे और अनिल धुर्वे बाइक पर सवार होकर तेज गति से आ रहे थे। बाइक चालक डंपर को देख नहीं पाया और बाइक सीधे उसके पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

बाघ संरक्षण के संदेश के साथ निकाली जागरूकता रैली

मंडला। दोपहर मेट्रो

अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस (29 जुलाई) से पहले कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा 15 दिवसीय जनजागरूकता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंडला शहर में बाघ संरक्षण के संदेश के साथ एक जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का मुख्य उद्देश्य आमजन, विशेषकर विद्यार्थियों, ग्रामीणों को वन्यजीव संरक्षण और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व के प्रति जागरूक करना था।

पत्नी रोकती रही पर नहीं माने, नर्मदा में डूबे 30 साल के अर्पित हाड़ा, महेश्वर में शुरु हुई सर्चिंग

खरगोन। दोपहर मेट्रो

महेश्वर में एक दर्दनाक हादसा हुआ। सहस्त्रधारा घाट पर पत्नी के सामने ही पति नर्मदा में डूब गए। इंदौर के 30 वर्षीय युवक अर्पित हाड़ा नहाने के लिए उतरे थे पर तेज बहाव में बह गए और कुछ ही सेकेंड में डूब गए। नर्मदा में स्नान के दौरान पत्नी उन्हें आगे जाने से मना कर रही थीं। बताया जा रहा है कि अचानक अर्पित का पैर फिसल गया और वे तेज बहाव में बहते चले गए। कुछ ही देर में डूब गए। बीते दिन शाम को हुए इस हादसे के तुरंत बाद युवक को ढूंढने का अभियान प्रारंभ कर दिया गया था लेकिन वह नहीं मिले। सोमवार को सुबह होते ही अर्पित की तलाश फिर शुरु कर दी गई है। हादसे के बाद पुलिस ने नर्मदा स्नान करनेवाले श्रद्धालुओं से बेहद सावधान रहने की अपील की है। जिला कलेक्टर द्वारा नर्मदा घाटों व जलाशयों में सुरक्षा मानकों के बिना नौकायन व वाटर स्पोर्ट्स पर जून में ही प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

इसके बावजूद सहस्त्रधारा में जोखिमभरा स्नान खुल्लमखुल्ला जारी है।

शाम करीब 5 बजे यह दुर्घटना घटी। पत्नी और परिवार के अन्य सदस्यों ने अर्पित को बचाने की गुहार लगाई। कई लोग मदद के लिए दौड़े भी लेकिन तेज बहाव को देखते हुए नर्मदा में उतरने की किसी की भी हिम्मत नहीं हुई। हादसे की महेश्वर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस, होमगार्ड और गोताखोरों ने मौके पर पहुंचकर अर्पित की तलाश शुरु की। थाना प्रभारी जगदीश गोयल ने बताया कि रेस्क्यू टीम ने आसपास के इलाकों में पूरी नदी खंगाल ली। अंधेरा होने पर सर्चिंग रोकनी पड़ी। सोमवार सुबह जैसे ही उजाला हुआ, दोबारा सर्च ऑपरेशन प्रारंभ कर दिया गया। जलकोटी-सहस्त्रधारा इलाके में नर्मदा का बहाव बहुत तेज है। यहां नदी बहुत गहरी है और पथरीले टापू भी हैं। पर्यटकों और श्रद्धालुओं का यहां स्नान करना बेहद जोखिम भरा है। ऐसे में पुलिस ने जलकोटी-सहस्त्रधारा क्षेत्र सहित अन्य जगहों पर गहराई में जाने से बचने की अपील की है। पुलिस ने बताया कि बीते दिन शाम को हादसे की सूचना मिलते ही रेस्क्यू शुरु कर दिया गया था और रात तक अर्पित को ढूंढा लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस, होमगार्ड और गोताखोरों ने सोमवार सुबह फिर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है।

मेट्रो एंकर तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम बिलतरा में बच्चों के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़

मेन्यू के अनुसार बच्चों को नहीं मिलता मध्याह्न भोजन न ही थालियां

तेन्दूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों को स्कूल के प्रति आकर्षित करने और उन्हे पोषण प्रदान करने के मकसद से मध्यान्ह भोजन योजना चलाई जा रही है। बच्चों को पोषण मिले इसके लिए शासन ने हर दिन दिए जाने वाले भोजन का मीनू भी तय कर रखा है, मीनू के मुताबिक खाना देने के लिए सरकार राशन व रुपए भी खर्च कर रहा है, लेकिन ज्यादातर स्कूलों में मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी की जा रही है। लाखों रुपए हर माह खर्च हो रहा है, इसके बावजूद विद्यार्थियों को मीनू अनुसार भोजन नहीं मिल पा रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से भोजन का वितरण किया जा रहा जिसमें अनियमितता की बातें सामने आ रही हैं। आसपास के अन्य क्षेत्रों के विद्यालयों में स्व-सहायता समूहों द्वारा मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी की जा रही है। यह कहीं एक जगह का हाल नहीं है बल्कि समुचे तेंदूखेड़ा ब्लॉक में यह अव्यवस्था स्थिति की निर्मित है।

मामला तेंदूखेड़ा ब्लॉक के बिलतरा ग्राम का जहां

पर प्राथमिक शाला स्कूल में पढ़ रहे 92 बच्चों को मीनू अनुसार भोजन नहीं दिया जा रहा है। बीते दिन को जब स्कूल का जायजा लिया तो यहां पर बच्चों को पतली आलू की सब्जी और पूड़ी दी गई, जबकि मीनू के अनुसार शनिवार को बच्चों को पराठा के साथ मिक्स दाल व हरि सब्जी देनी थी, लेकिन यहां तो बच्चों को पूड़ी और पटली आलू की सब्जी दी गई। जब यहां पर काम कर रही रसोइयों से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हम लोगों को जो सामग्री दी जाती है उसके अनुसार भोजन दिया जाता है जब इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों से बात की गई तो पता चला कि संतोषी स्व-सहायता समूह के द्वारा बच्चों को भोजन दिया जाता है लेकिन कभी भी किसी दिन मीनू अनुसार मध्यान्ह भोजन नहीं बनाया जाता है ना ही दिया जाता है, इसलिए कुछ बच्चे भी स्कूल में भोजन नहीं खाते हैं। अपने घर से लेकर आते हैं। सबसे बड़ी बात तब सामने आई जब बच्चों ने कहा यहां पर कभी भी खीर हलवा नहीं दिया जाता है। राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस स्वतंत्रता दिवस जैसे पर्वों पर भी यहां पर बच्चों को खीर पूडी हलवा नहीं मिलता है। बिलतरा ग्राम में मध्यान्ह भोजन में गड़बड़ी के साथ ही बच्चों को समूह द्वारा थालियां नहीं दी जाती है, जहां पर बच्चे घर से टिफिन थालियां प्लेट लेकर स्कूल आते हैं, बच्चों का आरोप है यहां पर मूंह देखकर भोजन और थालियां दी जाती हैं और हम लोगों को ही बर्तन धोने पड़ते हैं इसलिए घर से लाते हैं साथ ही शुद्ध पेयजल भी नहीं मिलता है। बिलतरा ग्राम में समूह द्वारा शासन के नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

शिक्षकों की अनदेखी बनी समूह की मनमानी

मध्याह्न भोजन योजना के तहत बच्चे क्या खा रहे हैं, इसे देखने अधिकारी कम ही स्कूल जाते हैं और स्कूलों के शिक्षक भी क्या देखरेख कर रहे हैं। स्कूलों में बच्चों के भोजन के लिए 6 दिन का मीनू चार्ट बनाकर सभी स्कूलों में चस्पा कर दिया जाता है, लेकिन सच्चाई यह है कि हर दिन बच्चों को मीनू अनुसार भोजन ना देकर आलू रोटी और पूड़ी खिलाई जा रही है। दरअसल बिलतरा के प्राइमरी स्कूल में शिक्षकों की अनदेखी और मनमानी भी देखने को मिली है। बताया जा रहा है कि विद्यालयों में छात्र छात्राओं की उपस्थिति अधिक दिखाकर स्व-सहायता समूह संबंधित विभाग से अधिक पैसा व खाद्यान्न प्राप्त कर लेते हैं। इसके बावजूद भी बच्चों को मीनू अनुसार भोजन नहीं देते।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026: ये जीत कारगिल के वीरों के नाम!

बॉक्सिंग रिंग में भी टिक नहीं सका पाकिस्तान, जादुमणि ने लगाया विनिंग पंच

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन लगातार जारी है। भारत ने बॉक्सिंग रिंग में अपने सबसे चर्चित मुकाबलों में से एक में पाकिस्तान पर बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने पुरुष वर्ग के मुकाबले में पाकिस्तान के सुमामा रहमान को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। वहीं महिला 54 किलोग्राम वर्ग में एशियन गेम्स की कांस्य पदक विजेता प्रीति पवार ने भी शानदार जीत दर्ज करते हुए अंतिम-8 में प्रवेश किया। अब दोनों भारतीय मुक्केबाज कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक जीतने से केवल एक जीत दूर हैं।

भारत-पाक मुकाबले में जादुमणि का दबदबा- एसईसी सेंटर में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले से पहले ही माहौल पूरी तरह भारतीय समर्थकों के रंग में रंग चुका था। स्टेडियम में भारत माता की जय और इंडिया-इंडिया के नारों की गूंज ने मुकाबले का रोमांच कई गुना बढ़ा दिया। इस जोशीले माहौल में जादुमणि सिंह ने शानदार आत्मविश्वास और संयम का परिचय देते हुए शुरुआत से ही मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी। पहले राउंड में दोनों मुक्केबाजों ने एक-दूसरे की रणनीति को परखने की कोशिश की, लेकिन दूसरे राउंड में जादुमणि ने आक्रामक तेवर अपनाते हुए लगातार तेज हुक और सटीक स्ट्रेट पंच लगाए। उनके दमदार राइट हैंड पंच से पाकिस्तानी मुक्केबाज सुमामा रहमान पूरी तरह लड़खड़ा गए, जिसके बाद रेफरी को उन्हें स्टैंडिंग काउंट देना पड़ा। इसके बाद मुकाबला पूरी तरह भारतीय मुक्केबाज के नियंत्रण में आ गया।

पांचों जजों ने 5-0 से घोषित किया विजेता

अंतिम राउंड में जादुमणि सिंह पूरे आत्मविश्वास के साथ रिंग के बीचों-बीच डटे रहे। उन्होंने शानदार फुटवर्क, तेज काउंटर अटैक और सटीक पंचों के जरिए लगातार अंक जुटाए। पाकिस्तानी मुक्केबाज वापसी का कोई मौका नहीं बना सके। मुकाबले के अंत में पांचों जजों ने सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले के साथ जादुमणि को विजेता घोषित किया। भारतीय सेना के जवान जादुमणि सिंह के लिए यह जीत इसलिए भी खास रही क्योंकि यह कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के अवसर पर मिली। मुकाबले के बाद उन्होंने अपनी जीत कारगिल के वीर सैनिकों को समर्पित करते हुए कहा, मैं यह जीत कारगिल के नायकों को समर्पित करता हूं। मेरा लक्ष्य सभी मुकाबले जीतकर भारत के लिए गोल्ड मेडल जीतना है। उनके इस बयान ने स्टेडियम में मौजूद भारतीय समर्थकों का उत्साह और बढ़ा दिया।

आदित्य को मिली निराशा

हालांकि भारत के लिए दिन का अंत पूरी तरह सुखद नहीं रहा। पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में भारतीय मुक्केबाज आदित्य प्रताप को युगांडा के नूहू बाट्टे के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। कांटे की टक्कर वाले इस मुकाबले में हार के साथ उनका कॉमनवेल्थ गेम्स अभियान पहले ही दौर में समाप्त हो गया।

पदक की उम्मीदें बढ़ीं

जादुमणि सिंह और प्रीति पवार की शानदार जीत ने भारत की पदक उम्मीदों को और मजबूत कर दिया है। दोनों मुक्केबाज अब क्वार्टर फाइनल में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहुंचने और देश के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का करने के इरादे से रिंग में उतरेंगे। भारतीय बॉक्सिंग दल से अब स्वर्ण पदक की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं।

जिम्बाब्वे पर जीत का इनाम

भारत फिर बना टी20 क्रिकेट का किंग, इंग्लैंड की बादशाहत खत्म

हरारे। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार दूसरी जीत दर्ज करते ही भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। हरारे में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में भारत ने जिम्बाब्वे को 90 रन से करारी शिकस्त देकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल की। इस शानदार प्रदर्शन का फायदा भारतीय टीम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टी20 रैंकिंग में भी मिला और टीम इंडिया एक बार फिर दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम बन गई।

में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-4 से मिली करारी हार के बाद भारतीय टीम को शीर्ष स्थान गंवाना पड़ा था। हालांकि, जिम्बाब्वे दौरे पर टीम ने लगातार दो शानदार जीत दर्ज कर एक बार फिर शीर्ष स्थान पर कब्जा जमा लिया। टी20 क्रिकेट की मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम के लिए शीर्ष रैंकिंग पर वापसी महज आंकड़ों की उपलब्धि नहीं है। इंग्लैंड के खिलाफ मिली करारी हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर उठ रहे सवालों का जवाब खिलाड़ियों ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन से दिया है। जिम्बाब्वे दौरे पर अब तक भारतीय टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और कप्तानी तीनों मोर्चों पर बेहतरीन संतुलन दिखाया है।

श्रीलंका दौरे से पहले बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग 28 को संभव

इंग्लैंड-आयरलैंड से हार का होगा हिसाब गंभीर के सपोर्ट स्टाफ पर भी फैसला संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के लिए आने वाले दिन बेहद अहम रहने वाले हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया का चयन मंगलवार (28 जुलाई) तक होने की संभावना है। इसके बाद अगस्त के पहले सप्ताह में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में हाल के विदेशी दौरों पर टीम के प्रदर्शन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। साथ ही मुख्य कोच गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ के भविष्य को लेकर भी बड़ा फैसला हो सकता है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में बताया कि श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन अगले दो दिनों में कर लिया जाएगा और मंगलवार तक टीम की घोषणा कर दी जाएगी। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 से 19 अगस्त तक गॉल में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित होगा।

श्रीलंका की स्पिन फ्रेंडली पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा होने वाली है। विदेशी परिस्थितियों में हाल के वर्षों में भारतीय बल्लेबाजी के संघर्ष को देखते हुए यह टेस्ट सीरीज टीम के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। ऐसे में चयनकर्ताओं के सामने भी संतुलित और मजबूत टीम चुनने की चुनौती होगी। टीम चयन के तुरंत बाद बीसीसीआई अगस्त के पहले सप्ताह में समीक्षा बैठक करेगा। इसमें आयरलैंड, इंग्लैंड और जिम्बाब्वे दौरों के प्रदर्शन का पूरा लेखा-जोखा लिया जाएगा। खासतौर पर इंग्लैंड में टीम के कमजोर प्रदर्शन और आयरलैंड के खिलाफ निराशाजनक नतीजों पर चर्चा होने की संभावना है।

श्रीलंका दौरे से पहले बड़ा मंथन

बीसीसीआई की आगामी समीक्षा बैठक भारतीय क्रिकेट के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। एक ओर टीम इंडिया श्रीलंका में कठिन टेस्ट सीरीज की तैयारी करेगी, वहीं दूसरी ओर हालिया विदेशी दौरों की कमियों को दूर करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इंग्लैंड में मिली हार, आयरलैंड में खराब प्रदर्शन, जिम्बाब्वे में वापसी और सपोर्ट स्टाफ के भविष्य जैसे कई बड़े मुद्दों पर बैठक में मंथन होगा। ऐसे में यह बैठक आने वाले समय में भारतीय क्रिकेट की दिशा और टीम प्रबंधन में संभावित बदलावों का रास्ता तय कर सकती है।

टीम इंडिया की लगातार हार ने बढ़ाई चिंता

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद इंग्लैंड ने पांच मैचों की टी20 सीरीज में भारत का 4-0 से क्लीन स्वीप कर दिया। वहीं, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज भी 1-2 से हार गई। हालांकि जिम्बाब्वे दौरे पर भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए पहले टी20 मुकाबले में सात विकेट से जीत दर्ज की। यह टी20 इंटरनेशनल में कप्तान के रूप में श्रेयस अय्यर की पहली जीत भी रही। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने स्पष्ट किया है कि समीक्षा बैठक में केवल हार और जीत के आंकड़ों पर ही चर्चा नहीं होगी, बल्कि हार के पीछे के कारणों और टीम की कमियों पर भी विस्तार से विचार किया जाएगा।

फील्डिंग कोच के भविष्य पर मंथन

समीक्षा बैठक का सबसे अहम पहलू मुख्य कोच गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ का भविष्य माना जा रहा है। हालिया दौरों में भारतीय टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग के मोर्चे पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। ऐसे में सहायक कोच रयान टेन डोशेट और फील्डिंग कोच टी दिलीप के भविष्य पर भी चर्चा हो सकती है। दोनों सपोर्ट स्टाफ सदस्यों का दो साल का अनुबंध मौजूदा व्हाइट-बॉल असाइनमेंट के साथ समाप्त हो चुका है। अब बीसीसीआई की समीक्षा समिति उनके प्रदर्शन का आकलन करेगी और इसके बाद ही उनके अनुबंध को आगे बढ़ाने पर फैसला लिया जाएगा।

टी दिलीप के भविष्य पर भी नजर | टी दिलीप भारतीय टीम के लोकप्रिय सपोर्ट स्टाफ सदस्यों में शामिल रहे हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के बीच लोकप्रिय बेस्ट फील्डर मेडल की परंपरा शुरू की थी। राहुल द्रविड़ के मुख्य कोच रहते हुए दिलीप भारतीय टीम के साथ जुड़े थे। 2024 टी20 विश्व कप के बाद जब द्रविड़ समेत बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर और गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे का कार्यकाल समाप्त हुआ, तब टी दिलीप को गौतम गंभीर के सपोर्ट स्टाफ में बरकरार रखा गया था। अब बीसीसीआई की समीक्षा बैठक में उनके प्रदर्शन और भविष्य पर भी चर्चा होगी। माना जा रहा है कि बैठक के बाद सपोर्ट स्टाफ को लेकर तस्वीर साफ हो सकती है।

स्वर्णिम मीरा: ग्लास्गो में गोल्डन हैट्रिक

संघर्ष की मिट्टी से निकली भारत की गोल्ड चैंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने एक बार फिर अपनी ताकत, जज्बे और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। इस जीत के साथ उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने का ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया। यह राष्ट्रमंडल खेलों में उनका कुल चौथा पदक है। इससे पहले उन्होंने 2014 में रजत, जबकि 2018 और 2022 में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। उनकी इस उपलब्धि के साथ भारत का ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदकों का खाता भी खुल गया।

बचपन से भारी वजन उठाने की आदी

8 अगस्त 1994 को मणिपुर के नोंगपेक काकचिंग गांव में जन्मी मीराबाई का बचपन बेहद साधारण और संघर्षपूर्ण रहा। वह पहाड़ों से जलावन के लिए लकड़ियां लाती थीं और बचपन से ही भारी वजन उठाने की आदी थीं। शायद तब किसी ने नहीं सोचा था कि यही लड़की एक दिन दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर भारत का तिरंगा लहराएगी। दिलचस्प बात यह है कि मीराबाई बचपन में तीरंदाज बनना चाहती थीं। लेकिन आठवीं कक्षा में मशहूर भारतीय भारोत्तोलक कुंजरानी देवी के बारे में पढ़ने के बाद उनका सपना बदल गया। उन्होंने भारोत्तोलन को अपना लक्ष्य बनाया और कठिन मेहनत के दम पर विश्व स्तर की

गांव की मिट्टी और ट्रक ड्राइवरों का साथ

मीराबाई आज भी अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ी हुई हैं। विदेशी दौरों पर भी वह अपने गांव का चावल साथ लेकर जाती हैं और वही खाना पसंद करती हैं। उनके संघर्ष की एक और प्रेरक कहानी यह है कि शुरुआती दिनों में इंफाल स्थित खेल अकादमी तक पहुंचने के लिए उनके पास किराया नहीं होता था। ऐसे में रेत ढोने वाले ट्रक ड्राइवर उन्हें रोज मुफ्त में अकादमी तक छोड़ देते थे। आज मीराबाई की यह सफलता न केवल उनके अथक परिश्रम की कहानी है, बल्कि उन अनजान मददगारों और उनके अटूट संकल्प को भी सलाम करती है, जिन्होंने एक साधारण लड़की को भारत की स्वर्णिम पहचान बना दिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

क्रिकेट मैचों पर सट्टेबाजी कर खूब कमाया पैसा लॉकअप 2 फेम पामेला सेरेना ने मानी गलती

लॉक अप 2 के हालिया एपिसोड में, पामेला सेरेना ने अपना एक बहुत बड़ा राज खोलकर खुद को सुरक्षित कर लिया। जैसे ही उन्होंने बजर दबाया, स्क्रीन पर मैच फिक्सिंग शब्द दिखाई दिया। राज बताने से पहले, पामेला ने साफ किया, यह मेरा राज है, मुझे इस पर गर्व नहीं है। फिर उन्होंने बताया कि जब वह स्टूडेंट थीं, तो क्रिकेट मैचों पर सट्टेबाजी करती थीं।

पामेला ने बताया कि स्टूडेंट लाइफ के दौरान उनका एक दोस्त था जो कई क्रिकेटरों के करीब था। उसके जरिए उन्हें मैचों के बारे में सीधी जानकारी मिलती थी, जिसका इस्तेमाल वह बाद में बुकीज के साथ सट्टा लगाने और पैसे कमाने में करती थीं।

पामेला ने क्या कहा?- पूरी बात बताते हुए पामेला ने कहा, जब मैं स्टूडेंट थी, तो मेरा एक दोस्त था। वह कई क्रिकेटरों का करीबी दोस्त था। और उसे टिप्स मिलती थीं कि कौन जीतेगा, कौन कितना स्कोर करेगा।उन्होंने आगे कहा, जानकारी सीधे टीम से आती थी। लंदन में बुकीज होते हैं जहां आप जुआ खेल सकते हैं और सट्टा लगा सकते हैं। उन्होंने आगे बताया, तो, मैंने अपने दोस्त से टिप्स लीं, फिर सट्टा लगाया। मैंने बहुत पैसे कमाए। हालांकि, पामेला ने साफ किया कि जहां वह सट्टेबाजी करती थीं, वहां यह कानूनी था। उन्होंने माना कि उस समय उन्हें इसमें मजा आता था, लेकिन बाद में उन्हें एहसास हुआ कि यह पैसे कमाने का गलत तरीका था। उन्होंने कहा,मुझे इस पर गर्व नहीं है, और बताया कि तब वह स्टूडेंट थीं और आसानी से मिलने वाले पैसे ने उन्हें सट्टा लगाने के लिए उकसाया।

कौन हैं पामेला सेरेना?

पामेला सेरेना एक ब्रिटिश-भारतीय एंटरप्रेन्योर, पूर्व ब्यूटी क्वीन, रियलिटी टीवी पर्सनैलिटी और इन्फ्लुएंसर हैं। यूनाइटेड किंगडम में भारतीय माता-पिता के घर जन्मीं पामेला बाद में 2012 में दुबई चली गईं, जहां उन्होंने बिजनेस और एंटरटेनमेंट की दुनिया में अपना करियर बनाया। उन्हें पहली बार नेटफ्लिक्स की रियलिटी सीरीज देसी ब्लिंग में आने के बाद बड़ी पहचान मिली, जिसमें दुबई में अमीर दक्षिण एशियाई लोगों की शानदार जिंदगी दिखाई गई थी। मिस यूनिवर्स दुबई 2021 और मिस यूएई वर्ल्ड 2022 का ताज जीतने के अलावा, पामेला रियल एस्टेट बिजनेस से भी जुड़ी हैं और खुद को एंटरप्रेन्योर और पब्लिक स्पीकर बताती हैं। फिलहाल वह लॉक अप 2 में कंटेस्टेंट के तौर पर नजर आ रही हैं।

रवीना टंडन के पेट डॉग के साथ खेलती दिखीं दिशा पाटनी, इंटरनेट पर छाया क्यूट वीडियो

बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन सिर्फ अपनी फिल्मों ही नहीं, बल्कि जानवरों के प्रति अपने खास लगाव के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं।

एक बार फिर रवीना अपने इसी अंदाज को लेकर चर्चा में हैं। दरअसल, मुंबई एयरपोर्ट पर जब उनकी मुलाकात अभिनेत्री दिशा पाटनी से हुई, तो वह उनसे अपने पालतू डॉगी को मिलवाती हुई नजर आई। दोनों अभिनेत्रियों का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में रवीना टंडन अपने पालतू डॉगी के साथ एयरपोर्ट पर नजर आती हैं। इसी दौरान वहां से गुजर रही दिशा पाटनी से उनकी मुलाकात होती है। रवीना मुस्कुराते हुए अपने डॉगी को दिशा से मिलवाती हैं। दिशा भी डॉगी को प्यार से सहलाती हैं और उसके साथ कुछ पल बिताती हैं। इस दौरान दोनों अभिनेत्रियां आपस में बातचीत करती हुई भी दिखाई देती हैं।

एयरपोर्ट लुक की बात करें तो दोनों अभिनेत्रियों ने बेहद सिंपल लुक रखा। रवीना टंडन ब्लैक कलर के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जिसमें उनका लुक बेहद स्टाइलिश दिखाई दे रहा था। वहीं दिशा पाटनी ने स्लीवलेस ब्लैक टॉप के साथ मैचिंग ट्राउजर पहना था।

बता दें कि रवीना टंडन लंबे समय से पशु प्रेम के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने पालतू जानवरों के साथ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। कुछ समय पहले रवीना ने अपने प्रशंसकों के साथ एक घटना साझा की थी। उन्होंने एयरपोर्ट पर मिले एक लावारिस पिल्ले को बचाया था, जिसका नाम उन्होंने %भैरव% रखा। इसके बाद उन्होंने उस पिल्ले के लिए एक सुरक्षित और स्थायी घर भी ढूंढ़ा। इस पूरे रेस्क्यू मिशन की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी।

मेट्रो बाजार

40 साल में विमान की सीटें 4 इंच और छोटे, किराया बढ़ा पर यात्रियों का आराम घटा

नई दिल्ली। पिछले चार-पांच दशकों में विमान यात्रा का स्वरूप काफी बदल गया है। यात्रियों की संख्या बढ़ने और लागत कम रखने की कोशिश में विमान कंपनियों ने इकोनॉमी श्रेणी की सीटों के बीच की दूरी और चौड़ाई लगातार घटाई है। वहीं, इसी अवधि में लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई (मोटापा) बढ़ी है, जिससे लंबी यात्राओं में असुविधा बढ़ने लगी है।

विमानन उद्योग की कई रिपोर्टों और विमान कंपनियों के सीट विन्यास के विश्लेषण के अनुसार, 1980-90 के दशक में इकोनॉमी श्रेणी में दो सीटों के बीच की दूरी (सीट पिच) 34 से 35 इंच होती थी। अब अधिकांश विमान कंपनियों में यह घटकर 30 से 31 इंच रह गई है। भारत की कम लागत वाली विमान सेवाओं में यह दूरी 28 से 29 इंच तक है। यानी यात्रियों के पैरों के लिए उपलब्ध जगह औसतन 4 से 7 इंच कम हो गई है। सीटों की चौड़ाई भी पहले की तुलना में कम हुई है। पहले यह करीब 18.5 से 19 इंच होती थी, जबकि अब कई विमानों में यह 16.5 से 17.5 इंच के बीच रह गई है। दूसरी ओर, वैज्ञानिक पत्रिका अप्लाइड एर्गोनॉमिक्स और एसएई इंटरनेशनल के अध्ययन के अनुसार, पिछले चार दशकों में बैठने के दौरान लोगों की औसत शारीरिक चौड़ाई लगभग 8 से 13 प्रतिशत बढ़ी है। आज अधिकांश विमान कंपनियां अधिक लेगरूम (पैर रखने की जगह) वाली सीटों के लिए अतिरिक्त शुल्क लेती हैं।

आजादी के बाद भारत की तेज आर्थिक प्रगति ने विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव रखी

नई दिल्ली। आजादी के बाद भारत में हुई तेज आर्थिक प्रगति ने %विकसित भारत 2047% के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। हालांकि, देश की विकास गति को बनाए रखने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में लगातार निवेश करना बेहद जरूरी होगा। यह बात इकोनॉमिक्स ऑब्जर्वेटरी की एक नई रिपोर्ट में कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, 1947 में आजादी मिलने के बाद से भारत ने उल्लेखनीय आर्थिक बदलाव देखा है। कभी व्यापक गरीबी, सीमित औद्योगिक क्षमता और कमजोर बुनियादी ढांचे वाली अर्थव्यवस्था आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले लगभग 80 वर्षों में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस दौरान लोगों की औसत आयु दोगुने से अधिक हो गई है, जबकि वयस्क साक्षरता दर में लगभग छह गुना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत ने तकनीकी क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। कभी मिट्टी के तेल के दीयों पर निर्भर रहने वाला देश आज परमाणु कार्यक्रम जैसी उन्नत तकनीकी क्षमताएं विकसित कर चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, 1.4 अरब से अधिक आबादी के साथ दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बनना भारत के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के पास बड़ी संख्या में युवा कार्यबल मौजूद है, जो आर्थिक विकास को नई गति दे सकता है। लेकिन इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, कौशल विकास और रोजगार सृजन में पर्याप्त निवेश करना आवश्यक होगा।

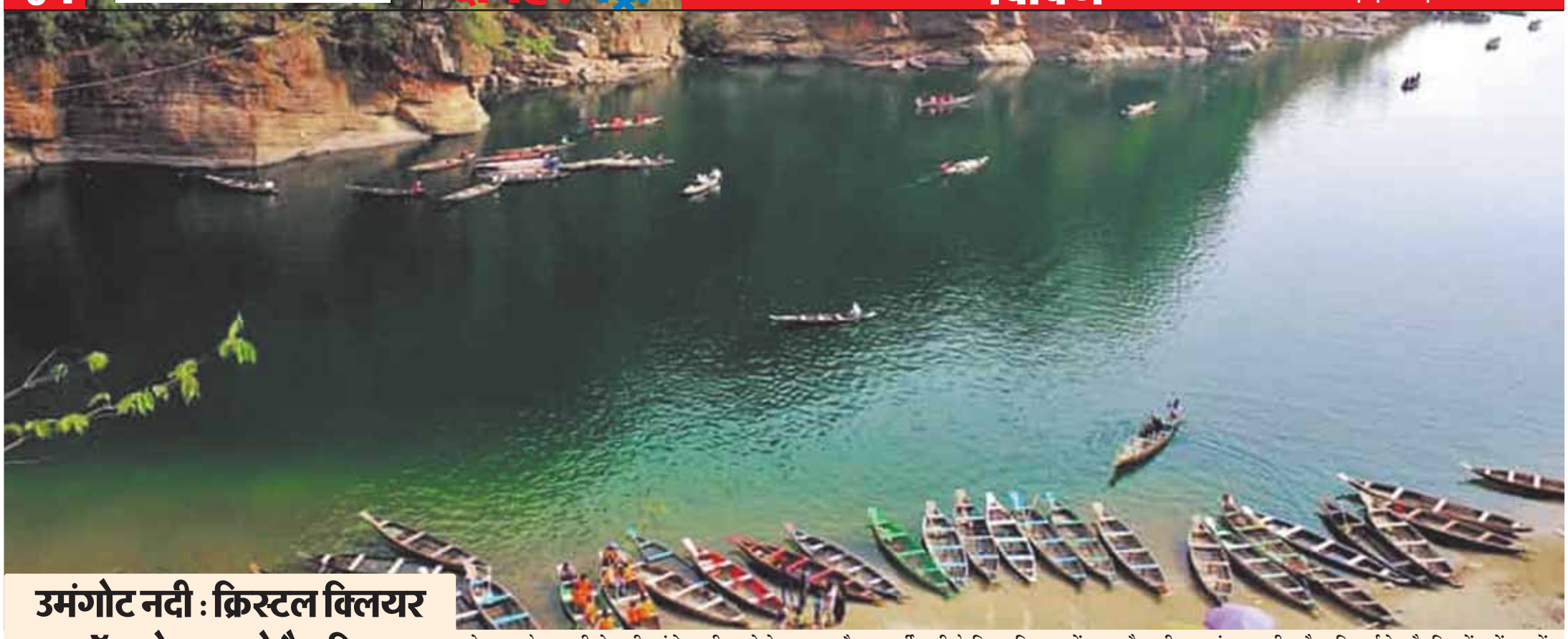

उमंगोट नदी : क्रिस्टल क्लियर वॉटर के नाम से है प्रसिद्ध

मेघालय के डावकी क्षेत्र की उमंगोट नदी अपने बेहद साफ और पारदर्शी पानी के लिए दुनियाभर में मशहूर है। नदी का शांत जल झील जैसा दिखाई देता है, जिसमें नावें हवा में तैरती हुई नजर आती हैं। सोशल मीडिया पर लोकप्रिय यह प्राकृतिक स्थल मेघालय आने वाले पर्यटकों की पसंदीदा डेस्टिनेशन बन चुका है।

सऊदी अरब और यूएई में सबसे ज्यादा मौतें, सुरक्षा की अनदेखी और भीषण गर्मी बनी वजह

खाड़ी देशों में हर हफ्ते तीन भारतीयों की मौत तीन साल में 800 से ज्यादा ने गंवाई जान

नई दिल्ली. एजेंसी

विदेशों में रोजगार के लिए गए भारतीय प्रवासी कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। भारतीय विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में काम करने के दौरान 800 से अधिक भारतीयों की मौत हुई। इनमें करीब 55 फीसदी मौतें खाड़ी देशों में दर्ज की गईं। इस हिसाब से वहां हर सप्ताह औसतन तीन भारतीय कामगारों की जान गई। पिछले महीने कतर में हुए एक धमाके में 12 भारतीयों की मौत के बाद प्रवासी कामगारों की सुरक्षा पर फिर सवाल उठे हैं।

देशवार आंकड़ों में सऊदी अरब सबसे ऊपर है, जहां तीन वर्षों में 182 भारतीयों की मौत हुई। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात में 128 मौतें दर्ज की गईं। विशेषज्ञों के मुताबिक, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल नहीं होना और कंपनियों द्वारा सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन नहीं कराना हादसों की प्रमुख वजहें हैं। कई भारतीय कंस्ट्रक्शन, वेयरहाउस, रिटेल और ऑटोमोबाइल जैसे जोखिम वाले क्षेत्रों में काम करते हैं। इसके अलावा 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में काम करने, लंबी शिफ्ट, खराब रहन-सहन, वेतन में देरी और मनमाने वेतन कटौती से कामगारों पर शारीरिक और मानसिक दबाव बढ़ता है। कुछ मामलों में नियोक्ताओं पर काम के दौरान हुई मौतों को प्राकृतिक मृत्यु बताकर जिम्मेदारी से बचने के आरोप भी लगाए गए हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि भारतीय मिशन प्रवासियों की सुरक्षा और कल्याण के लिए लगातार काम कर रहे हैं।

सऊदी अरब में सबसे ज्यादा मौतें

विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2023 से 2025 के बीच विदेशों में काम करने के दौरान 800 से अधिक भारतीयों की मौत हुई। इनमें सबसे ज्यादा मामले खाड़ी देशों से सामने आए। देशवार आंकड़ों में सऊदी अरब सबसे ऊपर रहा, जहां तीन साल में 182 भारतीयों की जान गई। यानी औसतन हर सप्ताह एक से ज्यादा भारतीय कामगार की मौत हुई। संयुक्त अरब अमीरात में 128 भारतीयों की मौत दर्ज की गई। खाड़ी देशों में काम करने वाले भारतीयों की बड़ी संख्या कंस्ट्रक्शन, रिटेल, वेयरहाउस और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में रोजगार करती है। इन क्षेत्रों में काम की परिस्थितियां कई बार जोखिमपूर्ण होती हैं। सुरक्षा उपकरणों की कमी और सुरक्षा नियमों के पालन में लापरवाही को हादसों की प्रमुख वजहों में शामिल किया गया है।

45 डिग्री की गर्मी में काम, 12 घंटे की शिफ्ट से बढ़ता दबाव

खाड़ी देशों में भारतीय कामगारों के सामने मौसम और काम की परिस्थितियां बड़ी चुनौती हैं। कई मजदूर 45 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में काम करते हैं और इसके बाद ठंडे कमरों में लौटते हैं। तापमान में अचानक बड़ा अंतर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। इसके अलावा कई कामगारों को 12-12 घंटे तक लंबी शिफ्ट में काम करना पड़ता है। जानकारों के अनुसार, खराब रहन-सहन, तंग आवास और भोजन की गुणवत्ता से जुड़ी समस्याएं भी तनाव बढ़ाती हैं। कई मामलों में महीनों तक वेतन नहीं मिलने या भुगतान से मनमानी कटौती की शिकायतें सामने आती हैं। इससे आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक दबाव भी बढ़ता है। खाड़ी देशों से आत्महत्या के मामले भी सामने आने की बात कही गई है।

भारतीयों के लिए बनाए सहायता केंद

विदेश मंत्रालय के अनुसार, सरकार विदेशों में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। दुबई, रियाद और जेद्दा समेत प्रमुख शहरों में प्रवासी भारतीय सहायता केंद्र बनाए गए हैं। भारतीय मिशनों के लेबर विंग कामगारों की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान के लिए लगातार प्रयास करते हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों में ओपन हाउस और कैंप आयोजित कर प्रवासियों से सीधे संपर्क किया जाता है। सरकार की ओर से महिलाओं की सुरक्षा के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। ई-माइग्रेट पोर्टल के माध्यम से ईसीआर पासपोर्ट वाली महिलाओं को खाड़ी देशों में रोजगार के लिए भेजने की प्रक्रिया पर सरकारी निगरानी रखी जाती है। इन प्रयासों का उद्देश्य प्रवासी भारतीयों को सुरक्षित कार्य वातावरण और आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना है।

नेपाल में भड़की सांप्रदायिक हिंसा, एक युवक की मौत

काठमांडू. एजेंसी

नेपाल के सुनसारी जिले में बीती रात दो समुदायों के बीच विवाद के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। घटना में सुरक्षा बलों की गोलीबारी के दौरान 24 वर्षीय ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई, जबकि सुरक्षाकर्मियों समेत एक दर्जन से अधिक लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने जिले के पांच बाजार क्षेत्रों में अगले आदेश तक अनिश्चितकालीन पाबंदियां लागू कर दी हैं।

पुलिस के अनुसार, हिंसा देवगंज ग्रामीण नगर पालिका के कसानगंज इलाके में उस समय शुरू हुई, जब दो धार्मिक समुदाय एक ही स्थान पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे। इसी दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल और धार्मिक झंडे लगाने को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और स्थिति हिंसक हो गई। सूचना मिलने पर सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और हालात नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान गोलीबारी में ओम प्रकाश मेहता की मौत हो गई। हिंसा के बाद सुनसारी जिला प्रशासन कार्यालय ने सोमवार सुबह 7 बजे से प्रभावित क्षेत्रों में पाबंदियां लागू कर दीं। इसके तहत चार से अधिक लोगों के एकत्र होने, प्रदर्शन, सार्वजनिक सभा और धरना देने पर रोक रहेगी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों पर 500 नेपाली रुपये का जुर्माना, एक महीने तक की जेल या दोनों की सजा हो सकती है। सुनसारी दक्षिण-पूर्वी नेपाल में स्थित है और इसकी सीमा भारत के बिहार राज्य से लगती है। यह क्षेत्र दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण व्यापारिक और परिवहन मार्ग के रूप में भी जाना जाता है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और किसी भी तरह की अफवाह से बचने की अपील की है।

ग्रीन पटाखों में प्रतिबंधित केमिकल के इस्तेमाल का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. एजेंसी

देश में नेक्स्ट जनरेशन ग्रीन पटाखों के व्यावसायिक उत्पादन को मंजूरी देने का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सरकार की दो प्रमुख संस्थाओं की अलग-अलग राय के कारण इस पर सहमति नहीं बन सकी है। सीएसआईआर-नीरी ने नए फॉर्मूलेशन को मंजूरी देते हुए दावा किया है कि इनके इस्तेमाल से प्रदूषण में 40 से 60 प्रतिशत तक कमी आ सकती है। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने आपत्ति जताते हुए कहा है कि इन पटाखों में अब भी बेरियम नाइट्रेट का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही बेरियम साल्ट वाले पटाखों पर रोक लगा चुका है।

पर्यावरण मंत्रालय ने दोनों संस्थाओं के विरोधाभासी रुख के बीच सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर अंतिम निर्णय अदालत पर छोड़ दिया है। मंत्रालय के अनुसार, नए फॉर्मूलेशन को पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (पेसो) के पास भी भेजा गया था, जिसने इनके लिए नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जारी किया है। सरकार ने सीएसआईआर-नीरी से पटाखा निर्माताओं के साथ मिलकर ऐसे कम प्रदूषण वाले पटाखे विकसित करने को कहा था, जिनसे उत्सर्जन में 50 प्रतिशत से अधिक कमी आए। इसके बाद निर्माताओं ने कम मात्रा में बेरियम साल्ट और अन्य ऑक्सीडाइजर के इस्तेमाल से नए फॉर्मूले तैयार किए। रिपोर्ट में फ्लावरपॉट, फुलझड़ी, चकरी, पेंसिल और ट्विंकलिंग स्टार जैसे पटाखों के कमर्शियल प्रोडक्शन पर विचार की सिफारिश की गई है।

यूएस : सिएटल में फूड फेस्टिवल के दौरान गोलीबारी, 2 की मौत

वाशिंगटन. एजेंसी। अमेरिका के सिएटल में 'बाइट ऑफ सिएटल फेस्टिवल' के दौरान अज्ञात बंदूकधारी ने अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। इस सामूहिक गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच अन्य घायल हो गए। यह घटना स्थानीय समयानुसार रविवार शाम 6 बजे सिएटल सेंटर आर्मरी बिल्डिंग के ठीक बाहर हुई। जहां वार्षिक बाइट ऑफ सिएटल फूड फेस्टिवल के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए थे।

ननिहाल जाने निकली 16 साल की किशोरी का ई-रिक्शा में अपहरण के बाद गैंगरेप, दो धराए

बांदा. एजेंसी

उत्तर प्रदेश के बांदा में ननिहाल जाने के लिए घर से निकली 16 वर्षीय किशोरी के अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद आरोपियों की तलाश में जुटी एसओजी, शहर कोतवाली और मरका थाना पुलिस की संयुक्त टीम की रविवार सुबह गंछा रोड के पास आरोपियों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा भागने के प्रयास में गिरकर घायल हो गया। मुठभेड़ के दौरान मरका थाने के दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए। सभी को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस के अनुसार, किशोरी 24 जुलाई की रात परिवार से नाराज होकर फतेहपुर स्थित अपने ननिहाल जाने के लिए निकली थी। रात करीब साढ़े आठ बजे वह बांदा रोडवेज बस स्टैंड पहुंची, जहां से उसने ई-रिक्शा लिया। आरोप है कि ई-रिक्शा चालक ने अपने एक साथी को बुलाया और किशोरी को शहर कोतवाली क्षेत्र के एक सुनसान स्थान पर ले गया। पुलिस के मुताबिक, वहां दोनों आरोपियों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता ने किसी तरह आरोपियों से बचकर करीब एक किलोमीटर तक पैदल दौड़ लगाई और स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस को सूचना दी। शिकायत के बाद पुलिस ने अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

मेट्रो एंकर तालिबान के प्रतिबंध से खेत सूने हुए, लेकिन गलत समय पर लगाए बैन ने बढ़ाया पुराना स्टॉक

अफगानिस्तान में अफीम की खेती 95% घटी, फिर भी नहीं थमी तस्करी

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान में तालिबान के अफीम की खेती पर प्रतिबंध के बावजूद हेरोइन की तस्करी पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग सका है। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में तालिबान प्रमुख मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा ने देशभर में अफीम की खेती पर रोक लगा दी थी। इसके बाद एक साल में खेती करीब 95 प्रतिशत घट गई। 2022 में जहां 2.33 लाख हेक्टेयर में अफीम उगाई गई थी, वहीं 2023 में यह घटकर करीब 10,800 हेक्टेयर रह गई। इससे उम्मीद थी कि वैश्विक हेरोइन सप्लाई पर असर पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

विशेषज्ञों के अनुसार, प्रतिबंध फसल कटने से महज दो सप्ताह पहले लगाया गया और किसानों को भी समय दिया गया। इससे बड़ी मात्रा में अफीम का स्टॉक बच गया। प्रतिबंध के बाद

अफीम की कीमत 70 डॉलर से बढ़कर करीब 1,000 डॉलर प्रति किलो तक पहुंच गई। सैटेलाइट आंकड़ों के अनुसार, देश में हजारों टन अफीम का भंडार मौजूद है। बदख्शां जैसे कुछ इलाकों में प्रतिबंध के बावजूद खेती जारी रही। अब तस्कर पुराने स्टॉक को बाजार में उतार रहे हैं और हेरोइन में मिलावट कर रहे हैं। पाकिस्तान और ईरान की सीमाओं से तस्करी जारी रहने के कारण यूरोप में भी हेरोइन की सप्लाई पर तत्काल बड़ा असर नहीं पड़ा। जानकारों का मानना है कि अफीम की खेती में गिरावट का असर आने वाले वर्षों में दिख सकता है, लेकिन मौजूदा स्टॉक और तस्करी नेटवर्क के कारण संकट अभी खत्म नहीं हुआ है।

पुराने स्टॉक और मिलावट से तस्करी का नेटवर्क सक्रिय : अफीम की खेती पर प्रतिबंध के बाद तस्करों ने अपना तरीका बदल लिया है। रिपोर्ट के अनुसार, अब पुराने स्टॉक को धीरे-धीरे बाजार में उतारा जा रहा है। इसके साथ ही हेरोइन में मिलावट की जा रही है, जिससे दक्षिण-पश्चिम अफगानिस्तान के बाजारों में मिलावटी माल पहुंचने की खबरें सामने आई हैं। पाकिस्तान और ईरान की सीमाओं से तस्करी का नेटवर्क भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। जानकारों के मुताबिक, वर्ष 2000 में तालिबान ने जब अफीम पर प्रतिबंध लगाया था, तब फसल कटने के बाद कार्रवाई हुई थी।

70 डॉलर से 1000 डॉलर किलो पहुंची अफीम की कीमत

अफीम पर प्रतिबंध लगने के बाद इसकी कीमत में भारी उछाल आया। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रतिबंध से पहले अफीम करीब 70 डॉलर प्रति किलो बिक रही थी, जो बाद में बढ़कर लगभग 1,000 डॉलर प्रति किलो तक पहुंच गई। कीमत में करीब 15 गुना वृद्धि होने के कारण किसानों और तस्करों के लिए पुराने स्टॉक का मूल्य काफी बढ़ गया। अफीम लंबे समय तक सुरक्षित रखी जा सकती है, इसलिए कई लोगों ने इसे तत्काल बेचने के बजाय जमा कर लिया। सैटेलाइट डेटा के आधार पर रेगिस्तानी इलाकों में ही करीब 13,700 टन अफीम के स्टॉक का अनुमान लगाया गया है। कुल भंडार इससे भी अधिक बताया जा रहा है, जिससे प्रतिबंध के बावजूद बाजार में आपूर्ति बनी हुई है।

यूपी : सरयू नदी में बहाव तेज होने से आई बाढ़

बैरिया (बलिया). एजेंसी। सुरेमनपुर दियराचंल के गोपाल नगर टाड़ी में सरयू नदी का बहाव अचानक तेज हो गया, जिससे बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। देखते ही देखते गोपाल नगर टाड़ी निवासी मंतोष यादव का मकान नदी में समा गया। वहीं प्राथमिक विद्यालय गोपाल नगर टाड़ी का आधा भवन भी कटकर सरयू नदी में विलीन हो गया। इस स्कूल में 180 बच्चे नामांकित थे जिन्हें जूनियर हाईस्कूल गोपाल नगर में शिफ्ट कर दिया गया है। बहाव के चलते रामनाथ, निवास लाल यादव, मुसाफिर यादव, रामनाथ यादव, जवाहर यादव सहित आधा दर्जन परिवारों के मकान नदी के मुहाने पर पहुंच गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कटान नहीं रुका तो ये मकान भी कभी भी नदी में समा सकते हैं। सरयू नदी के लगातार बढ़ते कटान से सुरेमनपुर दियराचंल के नौका गांव (झरकटह), धूपनाथ के डेरा, वशिष्ठ नगर, गोपाल नगर, गोपाल नगर टाड़ी और सिवाल मठिया समेत कई गांवों पर खतरा मंडरा रहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564